दैनिक **कीर्तिप्रभा** खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 233 पृष्ठ 12, रीवा

शुक्रवार 15 मई 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

नीट पेपर लीक- पीलीभीत में एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन, प्रधान का पुतला दहन

पीलीभीत नीट (नीट) परीक्षा में कथित पेपर लीक और बड़े पैमाने पर धांधली के विरोध में छात्र कांग्रेस (एनएसयूआई) ने पीलीभीत में जोरदार प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और युवाओं ने केंद्र व परीक्षा एजेंसियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जाहिर किया।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा और संदीप गंगवार ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर कहा कि देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामले हमारी शिक्षा व्यवस्था को दुनिया के सामने शर्मसार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लाखों छात्र अपनी परीक्षाओं के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन भ्रष्ट तंत्र और शिक्षा माफिया उनकी मेहनत को बाजार में बेचकर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित न कर पाने को सरकार और परीक्षा एजेंसियों की गंभीर विफलता करार दिया।

एनएसयूआई नेताओं ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण में दोषियों को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण तत्काल बंद होना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। युवा नेता हेमंत कुमार गैरोला ने कहा कि केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य पर सीधा हमला बताया। उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में बैठे उन सभी संदिग्ध अधिकारियों की तत्काल जांच करने और उन्हें उनके पदों से बर्खास्त करने की मांग की, जिनकी संलिप्तता की आशंका है।एनएसयूआई नेता गैरोला ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने इस गंभीर मुद्दे पर जल्द ही कोई ठोस और पारदर्शी कदम नहीं उठाया, तब देश का युवा वर्ग चुप नहीं बैठेगा और वह सड़कों से लेकर संसद तक एक बड़ा और निर्णायक आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की कार्रवाई तेज, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली देश के सबसे बड़े मेडिकल प्रवेश परीक्षा हश्वश्ञ-त्र 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। देशभर में छापेमारी और पूछताछ के बीच गुरुवार को एजेंसी ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई की जांच में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं और कई अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है।

सीबीआई के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों में 14 स्थानों पर छापेमारी की गई। इसी कार्रवाई के दौरान महाराष्ट्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अहिल्यानगर निवासी धनंजय लोखंडा और पुणे की मनीषा वाघमारे शामिल हैं। जांच एजेंसी का कहना है कि दोनों आरोपियों की भूमिका पेपर लीक नेटवर्क में अहम हो सकती है और उनसे पूछताछ के आधार पर अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। इससे पहले सीबीआई ने राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा के गुरुग्राम से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नासिक से शुभम खैरनार, जयपुर से मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल तथा गुरुग्राम से यश यादव शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि यह पूरा नेटवर्क संगठित तरीके से काम कर रहा था और परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक कराने के लिए कई राज्यों में संपर्क बनाए गए थे।

सीबीआई ने इस मामले में 12 मई को केस दर्ज किया था। यह मामला शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि हश्वश्ञ-त्र परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र कुछ लोगों तक पहुंच चुका था, जिसके बाद परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे।

गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पहले गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को पेश किया गया। अदालत ने सभी आरोपियों को सात दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी ने कोर्ट में कहा कि मामले की तह तक पहुंचने और पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए आरोपियों से विस्तृत पूछताछ जरूरी है।गौरतलब है कि 3 मई को आयोजित हश्वश्ञ-त्र 2026 परीक्षा में देशभर से 23 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। परीक्षा के बाद पेपर लीक की खबर सामने आने पर 12 मई को परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया।

विजय ने कहा, जल्द महिलाओं के खाते में आएगी 1 हजार की किस्त

चेन्नई तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने कहा कि महिलाओं को कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई योजना की मई माह की किस्त जल्द मिलेगी। इस योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपये दिए जाते हैं। इसकी शुरुआत पूर्ववर्ती द्रविड मुनेत्र कषगम सरकार ने की थी और इसका नाम पार्टी के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया। विजय के हवाले से कहा गया कि राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति, सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ सहित अन्य केंद्रीय एजेंसियों से जवाब तलब किया है। बीजेपी नेता एस विग्नेश शिशिर ने याचिका दाखिल कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है।

सीबीआई निदेशक सूद का कार्यकाल एक साल और बढ़ा

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने प्रवीण सूद को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक पद पर एक वर्ष का सेवा विस्तार और दे दिया है। केंद्र सरकार की नियुक्ति समिति ने बुधवार देर रात इस संबंध में आदेश जारी किया। इसके तहत प्रवीण सूद अब 24 मई 2027 तक सीबीआई निदेशक के पद पर बने रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार, नए सीबीआई निदेशक की नियुक्ति को लेकर बनी चयन समिति में किसी नाम पर सहमति नहीं बन पाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पैनल में शामिल नए अधिकारियों के नामों के साथ जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर सहमति देने से इनकार कर दिया था।

सरकार ने रेलवे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दी बड़ी राहत, 2 फीसदी बढ़ाया डीए

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है। यह नई दर 1 जनवरी 2026 से लागू होगी। इस बढ़ोतरी के बाद डीए और डीआर बढ़कर 60 फीसदी हो गया, जो पहले 58 फीसदी था। इस फैसले का लाभ रेलवे के लाखों कर्मचारियों, पेंशनर्स, पारिवारिक पेंशनर्स और अन्य पात्र लाभार्थियों को मिलेगा।

केरल को मिला नया नेतृत्व, सतीशन होंगे राज्य के अगले मुख्यमंत्री

-कांग्रेस हाईकमान ने लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया फैसला

-यूडीएफ की जीत के प्रमुख रणनीतिकार रहे सतीशन

नई दिल्ली, । केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फंट (यूडीएफ) की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया। कांग्रेस ने गुरुवार को वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री घोषित कर दिया। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मुकुल वासनिक, दीपा दास मुंशी और अजय माकन ने इस फैसले की औपचारिक घोषणा की। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन और कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा था। करीब 10 दिनों तक चली चर्चा और सहयोगी दलों से विचार-विमर्श के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने सतीशन के नाम पर मुहर लगाई। बताया जा रहा है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित यूडीएफ के कई सहयोगी दलों ने भी सतीशन के पक्ष में खुलकर समर्थन दिया। वीडी सतीशन को 2026 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की वापसी का मुख्य चेहरा माना जा रहा है। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाई। पिछले पांच वर्षों में विपक्ष के नेता के रूप में सतीशन ने विभिन्न जन मुद्दों को लेकर सड़क से लेकर विधानसभा तक सरकार को घेरने में अहम भूमिका निभाई। कोच्चि के पास एर्नाकुलम जिले के नेट्टूर में 31 मई 1964 को जन्मे वीडी सतीशन का परिवार लंबे समय से कांग्रेस विचारधारा से जुड़ा रहा

लेबनान सीमा पर बढ़ा युद्ध का खतरा, हिजबुल्लाह के ड्रोन हमलों से इज़राइल में तनाव

नई दिल्ली मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच हिजबुल्लाह और इज़राइल के बीच संघर्ष ने नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है। ताज़ा घटनाक्रम में हिजबुल्लाह ने छोटे और अत्याधुनिक ड्रोन के जरिए इज़राइल के उत्तरी सीमावर्ती इलाकों को निशाना बनाया, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं और बढ़ गई हैं।

रिपोर्टों के अनुसार हिजबुल्लाह द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे प्रथम-व्यक्ति नियंत्रण वाले हमलावर ड्रोन बेहद छोटे, तेज और कम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम हैं। यही वजह है कि पारंपरिक वायु रक्षा प्रणालियों के लिए इन्हें समय रहते पहचानना चुनौती बनता जा रहा है। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ ड्रोन सीमा सुरक्षा अवरोधों को पार करते हुए इज़राइल के सीमावर्ती सैन्य ठिकानों के करीब तक पहुंचने में सफल रहे। इन हमलों ने इज़राइल की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और हवाई रक्षा रणनीति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक युद्ध अब केवल मिसाइलों और लड़ाकू विमानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे, सस्ते और सटीक ड्रोन युद्धक्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। इस बीच इज़राइली रक्षा बल ने उत्तरी मोर्चे पर निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा और जवाबी कार्रवाई को और मजबूत करने के संकेत दिए हैं। लगातार बढ़ते ड्रोन हमलों ने युद्धविराम की कोशिशों को और मुश्किल बना दिया है। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि क्या यह संघर्ष सीमित रहेगा

ऊर्जा आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकता हैं ब्रिक्स

-विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया

नई दिल्ली, । भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर महत्वपूर्ण बयान दिया, जिसमें उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के प्रति भारत का दृष्टिकोण को दुनिया के सामने साझा किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि मौजूदा अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में, जब अनेक देश ऊर्जा आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे गंभीर संकटों से जूझ रहे हैं, ब्रिक्स उन राष्ट्रों के लिए एक मजबूत संबल और मददगार मंच साबित हो सकता है। यह दर्शाता है कि भारत ब्रिक्स को केवल एक आर्थिक समूह नहीं, बल्कि एक समाधान-उन्मुख वैश्विक हितधारक के रूप में देखता है।

अपने संबोधन में, जयशंकर ने ब्रिक्स के भीतर बढ़ते सहयोग की सराहना की। उन्होंने बताया कि सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ अभी तक 80 से अधिक

यूपी में आंधी-तूफान का कहर, 90 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों पेड़ और बिजली के पोल उखड़े

लखनऊ उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। बिजली के पोल गिरे। फसलें बर्बाद हो गईं। आंधी-तूफान की चपेट में आकर 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन-प्रशासन की टीमें नुकसान के आकलन और प्रभावितों को फौरी मदद पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को यूपी के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश कहर मचाया। पेड़ और पोल गिरने से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इस बीच राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में हादसों की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा जनहानि बनारस, प्रयागराज और कानपुर मंडल में देखी गई है। भदौही में 18 लोगों की मौत की सूचना है। प्रयागराज में 17 और मिर्जापुर में 15 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह उन्नाव में 10 बरेली-प्रतागढ़ में 4-4 और सीतापुर, कानपुर, संभल, हरदोई और चंदौली में दो-दो लोगों की मौत हो गई है। शाजहांपुर, लखीमपुर में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की रिपोर्ट है।

आंधी की शक्ल में आए तूफान ने कच्चे और फूस के मकान उजाड़ दिए। टेन शेड हवा में उड़ गए। रास्तों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय प्रशासनिक टीमें राहत-बचाव अभियान में जुटी रहीं। रास्तों से पेड़ हटाने और पोल को किनारे करके यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मुहिम चली। इसी बीच बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त करने के प्रयास जारी रहे। इसके अलावा जिन जगहों पर जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। शासन-प्रशासन उसकी रिपोर्ट तैयार करके, पीड़ित परिवारों की मदद में लगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों की हरसंभव मदद की जाए। सीएम ने कहा कि 24 घंटे के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ऐसा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहानि का संज्ञान लेते हुए 24 घंटे के अंदर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया है।

भविष्य की चुनौतियों को साधने की तैयारी, सेना और नौसेना के बीच अहम समझौता

नई दिल्ली भारतीय सेना और नौसेना ने देश की सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में हुए संबद्धता समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन ऑन अफिलिएशन) का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच गहरे तालमेल, आपसी समझ और संयुक्त कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है, विशेषकर भविष्य के जटिल युद्ध स्वरूपों और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में संयुक्तता, एकीकरण और बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

समझौते के तहत, सेना और नौसेना की विभिन्न संरचनाओं, रेजीमेंटों, संस्थानों और युद्धपोतों के बीच संस्थागत सहयोग को औपचारिक रूप दिया जाएगा। इसके माध्यम से दोनों सेवाओं के अधिकारियों व जवानों को एक-दूसरे की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और जिम्मेदारियों को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। संयुक्त गतिविधियों, पेशेवर आदान-प्रदान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे परिचालन समन्वय और दीर्घकालिक पेशेवर संबंध मजबूत होगा। ञ्ऑपरेशन सिंदूरज् जैसी सफलताओं ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि भविष्य के अभियानों में तीनों सेनाओं का समन्वित संचालन कितना महत्वपूर्ण है, और यह समझौता उसी दिशा में एक ठोस कदम है।इस अहम समझौता ज्ञापन पर भारतीय सेना की ओर से एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक और भारतीय नौसेना की ओर से चीफ ऑफ पर्सोनल वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ और नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्सायन भी उपस्थित थे। मौजूदा सुरक्षा वातावरण की जटिलता और निरंतर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखकर थल और जल दोनों क्षेत्रों में मजबूत समन्वय अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपरिहार्य हो गया है।

ट्रंप चीन तो अरागची दिल्ली में, होर्मुज पर तनाव के बीच गुजरा भारतीय जहाज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देशों, अमेरिका और चीन ने वैश्विक व्यापार के सबसे महत्वपूर्ण मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर एक बड़ी सहमति व्यक्त की है। अमेरिकी जानकारी के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई उच्च स्तरीय बातचीत में यह तय हुआ है कि इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर किसी भी देश को अतिरिक्त शुल्क या टोल लगाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। यह चर्चा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बीजिंग में होने वाली शिखर बैठक से ठीक पहले हुई है, जो वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है।

इसी बीच, कूटनीतिक मोर्चे पर एक और बड़ी खबर आई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने संकेत दिए हैं कि ईरान के साथ युद्ध को विराम देने की दिशा में जारी बातचीत में सकारात्मक प्रगति हो रही है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति ट्रंप चीन की राजकीय यात्रा पर हैं। दूसरी ओर, भारत की राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक हो रही है, जिसमें हिस्सा लेने के लिए ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अरागची भी पहुंचे हुए हैं।

मध्य-पूर्व की स्थिति पर नजर डालें तो वहां मानवीय और तकनीकी संकट गहराया हुआ है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमलों के बाद से ईरान में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह ठप थीं। हालांकि, अब कुछ क्षेत्रों में इसे आंशिक रूप से बहाल किया गया है, लेकिन आम जनता और ऑनलाइन कारोबार से जुड़े लोग अब भी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

कूटनीतिक दांव-पेंच के बीच इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्तों को लेकर भी विरोधाभास सामने आया है। बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यूएई की एक ऐतिहासिक यात्रा का दावा किया, जिसे यूएई के विदेश मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया। इस पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए चेतावनी दी है कि इजरायल के साथ किसी भी तरह का सहयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, लेबनान में हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है।

ईरान ने दोस्ती निभाते हुए भारत को दिया सुरक्षित रास्ते का भरोसा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मध्य-पूर्व (मिडिल-ईस्ट) में गहराते युद्ध के बादलों और तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच ईरान ने भारत के साथ अपनी पुरानी दोस्ती को एक नई ऊंचाई दी है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए साफ कर दिया है कि रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण ञ्स्ट्रेट ऑफ होर्मुजज् में भारतीय जहाजों को विशेष रियायत और सुरक्षा दी जाएगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और वैश्विक तेल आपूर्ति के इस मुख्य मार्ग पर ईरान अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ईरानी उप विदेश मंत्री ने भारत को ञ्दोस्त देशज् संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तेहरान और नई दिल्ली इस बात पर सहमत हैं कि क्षेत्रीय तनाव के बावजूद भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिलना चाहिए। गरीबाबादी के मुताबिक, अब तक 11 भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने की विशेष अनुमति दी जा चुकी है और 13 अन्य जहाजों की मंजूरी पर काम चल रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज भारतीय रुपय तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी के साथ खुला और अपने ऑल-टाइम लो (सर्वकालिक निचले स्तर) पर पहुंच गया। रुपया सुबह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर 95.86 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.74 पर खुला और बाद में और गिरकर 95.86 के स्तर तक आ गया। वहीं बुधवार को रुपया 95.75 पर बंदु हुआ था।

दूध हुआ महंगा- अमूल, मदर डेयरी और पराग ने बढ़ाए दाम, जनता में आक्रोश

नई दिल्ली। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के बाद अब लोगों को दूध की महंगाई का भी सामना करना पड़ रहा है। देश की प्रमुख दूध कंपनियों जैसे अमूल, मदर डेयरी और पराग ने अपने दूध के दामों में करीब 2 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। अमूल की नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो चुकी हैं, जबकि पराग की बढ़ी हुई दरें 15 मई से प्रभावी होने की संभावना है। इस मूल्य वृद्धि को लेकर वाराणसी सहित देश के कई हिस्सों में आम लोगों के बीच गहरी नाराजगी देखने को मिली है।

अमेरिका कंपनियों से बोले शी, चीन में काम करने के बड़े मौके आपके सामने

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए देश में और भी बड़े अवसर पैदा होने का भरोसा दिलाया है। यह बयान उन्होंने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ऐतिहासिक मुलाकात के दौरान अमेरिकी अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करने के दौरान दिया। ट्रंप के साथ टेस्ला के एलन मस्क, एप्पल के टिम कुक और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग जैसे दिग्गज बिजनेस लीडर्स का एक बड़ा दल भी बीजिंग पहुंचा था। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने कहा, चीन के खुलने का दरवाजा और भी बड़ा होता जाएगा। चीन, अमेरिका के साथ आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने का स्वागत करता है।

कुछ निवेशक ने पत्रकारिता की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाने में किया निवेश

नई दिल्ली। डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेअर्स प्राडा 2' फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है। सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में संपादक के रूप में नजर आई।

सरकार अब ई25 फ्यूल पर दे रही जोर
नियमों में होंगे बड़े बदलाव

ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होंगे और अगले पांच साल तक प्रभावी रहेंगे

नई दिल्ली। सरकार गाड़ियों के लिए बनने वाले नए कैफे-3 नियमों में एक और बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब इन नियमों में ई20 की जगह ई25 फ्यूल को आधार बनाया जा सकता है। मतलब आने वाले कुछ सालों में देश की ज्यादातर गाड़ियां ई25 पेट्रोल से चलेंगी, इसलिए नए नियम भी उसी हिसाब से बनाए जाएं। कैफे नियम यह तय करते हैं कि किसी ऑटो कंपनी की गाड़ियों से कितना कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन हो सकता है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और अगले पांच साल तक प्रभावी रहेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक अभी देश में ई20 पेट्रोल इस्तेमाल हो रहा है यानी पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया जाता है। अब सरकार ई25 अपनाना चाहती है, जिसमें एथेनॉल 25 फीसदी होगा। एथेनॉल गन्ने और अनाज से भारत में ही बनाया जाता है। सरकार का मानना है कि अगर पेट्रोल में ज्यादा एथेनॉल मिलाया जाएगा तो कच्चे तेल के आयात पर खर्च कम होगा और विदेशी तेल पर निर्भरता भी घटेगी। पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने से पूरी दुनिया में तेल की कीमतों पर असर पड़ा। इसके बाद भारत सरकार के अलग-अलग विभागों ने ऑटो कंपनियों के साथ बातचीत शुरू की कि ई20 से आगे बढ़कर जल्द ई25 पर कैसे जाया जाए। सरकार को लगता है कि ज्यादा एथेनॉल इस्तेमाल करने से तेल आयात का बोझ कम किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) अब कैफे-3 के ड्राफ्ट में बदलाव कर सकता है। अभी तक जो टेस्ट और गणना ई20 फ्यूल के आधार पर हो रही थी, उसे अब ई25 के हिसाब से तैयार किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि जब आने वाले सालों में गाड़ियां ई25 पर चलेंगी, तो फिर पुराने ई20 फॉर्मूले पर नियम बनाने का कोई मतलब नहीं है। ऑटो कंपनियां काफी समय से सरकार से कह रही हैं कि कैफे-3 नियमों को जल्द अंतिम रूप दिया जाए। कंपनियों का कहना है कि नए नियम साफ होने के बाद ही वे नई गाड़ियों, इंजन तकनीक और निवेश की योजना बना पाएंगी। गाड़ियों की टेस्टिंग में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल बहुत अहम होता है क्योंकि उसके आधार पर कार्बन उत्सर्जन मापा जाता है। एथेनॉल में सामान्य पेट्रोल के मुकाबले कार्बन कम होता है। इसलिए अगर पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ती है, तो गाड़ियों से निकलने वाला कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन भी बदल जाता है। यही वजह है कि सरकार अब नए कैफे-3 नियमों में ई25 फ्यूल को आधार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

केंद्र से आया आदेश और धड़ाम हो गए चीनी कंपनियों के शेयर

मुंबई । गुरुवार को चीनी बेचने वाली कंपनियों के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखी गई है। बलरामपुर चीनी मिल्स और धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, भारत ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक प्रतिबंध किया गया है।

मोदी सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद बलरामपुर चीनी का शेयर 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 525 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। वहीं, धामपुर के शेयर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के बाद 147.55 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354 रुपये और श्री रेणुका और ईआईडी पेरी के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

डीजीएफटी ने कहा, ÷कच्ची चीनी, सफेद चीनी और परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को प्रतिबंधित श्रेणी से बदलकर निषिद्ध श्रेणी में तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया है।÷

भारत ने तब यह फैसला लिया है, जब दुनिया में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन करने वाला देश ब्राजील ने अपनी चीनी मिल्स को 1.59 मिलियन मैट्रिक टन एक्सपोर्ट करने को कहा है। देश के अंदर चीनी की खपत से ज्यादा उत्पादन होने के बाद यह फैसला हुआ है।वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल 275 लाख टन चीनी के उत्पादन की उम्मीद है। 50 लाख टन के ओपनिंग स्टॉक को अगर मिला लें, तब यह कुल 325 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू स्तर पर भारत की कुल खपत 280 लाख टन है। यानी इसके बाद करीब 45 लाख टन चीनी बचेगी।

जोकि 2016-17 के बाद का सबसे न्यूनतम स्तर है। बता दें, 2016-17 के दौरान चीनी की इंवेंट्री 39-40 लाख टन तक आई थी। मोदी सरकार अगले गन्ने के सीजन को लेकर भी चिंतित है। बारिश कम होने की वजह से इसका भी प्रोडक्शन घट सकता है। बता दें, अल-नीनो के प्रभाव की वजह से इस बार मानसून में कम बारिश की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 789, निफ्टी 277 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक बढ़कर 75398.72 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 277 अंक उछलकर 23689.60 के स्तर पर बंद हुआ।

आज लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी रही। कारोबार के दौरान दूरसंचार, फार्मा और निजी बैंकिंग शेयरों में में उछाल आया । सेंसेक्स शेयरों में, भारती एयरटेल सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसके शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी आई। वहीं एटरनल के शेयरों में 3.32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.67 फीसदी की बढ़त हुई, जिससे सेंसेक्स में सबसे अधिक लाभ इन्हीं शेयरों के कारण हुआ। . अदानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। दूसरी ओर इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह बाजार खुलते ही बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा ऊपर आया जबकि निफ्टी 23,500 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। सुबह सेंसेक्स 338 अंक बढ़कर 74,947.12 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 118 अंक उछलकर 23,530 पर पहुंच गया। वहीं आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 0.47 फीसदी उछला जबकि हांगकांग का हैंग सेंग लगभग 1 फीसदी बढ़ा।

समय के साथ भारत ने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को किया मंजूर

नई दिल्ली। कर्नाटक ने 2023 में कारखाना श्रमिकों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी तब ट्रेड यूनियनों ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में तर्क दिया कि यह बदलाव भारत की उस प्रतिबद्धता का उल्लंघन है जो उसने आईएलओ के काम के घंटे समझौते 1919 के तहत जताई थी। इसके तहत श्रमिकों को अधिकतम प्रतिदिन आठ घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। इस प्रकार जो बहस घरेलू स्तर पर उत्पादकता, वेतन और श्रमिकों की पसंद के बीच संतुलन पर होनी चाहिए थी वह एक अंतरराष्ट्रीय मामले में बदल गई।

यह अपनी तरह की कोई इकलौती घटना नहीं है। यह एक सदी पहले लिए गए फैसला का परिणाम है। भारत ने काम के घंटों को लेकर खुद को आईएलओ के नियमों के सबसे हस्तक्षेपकारी हिस्से से आबद्ध कर लिया था। भारत आईएलओ का संस्थापक सदस्य है और वह 1922 से ही उसकी संचालन संस्था का स्थायी सदस्य रहा है। समय के साथ हमने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को मंजूर किया। इनमें से 39 अभी तक जारी हैं।

यह समस्या उतनी गंभीर नहीं होती यदि यह समझौता सार्वभौमिक सहमति को दर्शाता। आईएलओ के 187 सदस्य देशों में से केवल 52 ने सी001 को अनुमोदित किया है और केवल 30 ने इसके साथ जुड़े काम के घंटे समझौते, 1930 (सी030) को अनुमोदित किया है। प्रमुख विनिर्माण शक्तियों जैसे अमेरिका, जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम ने सी001 को अनुमोदित नहीं किया है। वहीं न्यूजीलैंड ने विपरीत रास्ता अपनाया। कई दशकों तक इस संधि का पालन करने के बाद उसने इसे नामंजूर कर दिया और अब कार्य समय को राष्ट्रीय कानून और सामूहिक सौदेबाजी के जरिए नियंत्रित करता है।

भारत एक बड़ा, औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल श्रम-संपन्न अर्थतंत्र है जिसने स्वयं को 1919 के युग की कार्य समय संधि के अधीन कर लिया है, जिसे इसके अधिकांश निर्यात प्रतिस्पर्धियों ने टाल दिया है। केवल कार्य समय ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी 47 अनुमोदित संधियों के साथ अन्य बड़े विनिर्माण देशों की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रियता दिखाई है।

एसयूवी कुशाक का फेसलिफ्टेड संस्करण लांच

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में स्कोडा ने अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी कुशाक का फेसलिफ्टेड संस्करण उतार दिया है। एसयूवी कुशाक के इस अपडेटेड मॉडल में कई कॉस्मेटिक बदलावों के साथ-साथ आधुनिक फीचर्स भी जोड़े गए हैं।

एसयूवी के फ्रंट में नया ग्रिल, बंपर और बेहतर लाइटिंग डिज़ाइन दिया गया है। सभी वेरिएंट्स में अब फ्रंट पार्किंग सेंसर और अलॉय व्हील्स भी मानक के तौर पर उपलब्ध हैं। पिछले हिस्से में कनेक्टेड लाइटें, एक नया बंपर और सीक्वेंशियल इंडिकेटर इसके स्टाइलिश लुक को और बढ़ाते हैं। इंटीरियर में ड्यूल-टोन थीम, 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक सनरूफ, एंबिएंट लाइटिंग और फ्रंट वेंटिलेटेड सीटें जैसी सुविधाएं मिलती हैं। लंबी यात्राओं के लिए रियर सीटों पर मसाज फीचर, वायरलेस चार्जर और कई चार्जिंग पोर्ट्स इसे और सुविधाजनक बनाते हैं। इसमें 385 लीटर से लेकर 1405 लीटर तक का बूट स्पेस भी मिलता है।

बेहतर ड्राइविंग अनुभव और प्रीमियम फीचर्स के साथ, नई स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट भारतीय ग्राहकों के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी विकल्प बनकर उभरी है। सुरक्षा के मोर्चे पर, नई कुशाक को छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, ईएससी, हिल होल्ड कंट्रोल और रियर पार्किंग कैमरा जैसे कई फीचर्स के साथ मजबूत बनाया गया है। हालांकि इसमें एडीएएस तकनीक का अभाव है, कंपनी ने अन्य आवश्यक सुरक्षा सुविधाओं को सुनिश्चित किया है।

एमपीवी अर्टिगा ने दर्ज की सबसे ज्यादा बिक्री

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एमपीवी अर्टिगा ने सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। अप्रैल महीने के जारी किए बिक्री आंकड़ों के अनुसार, इस महीने अर्टिगा की कुल 19,063 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाती है।

भारतीय बाजार में बड़े परिवारों के बीच सात सीटों वाली कारों की मांग लगातार बढ़ रही है। अपने बेहतर बजट और माइलेज के संतुलन के कारण, अर्टिगा भारतीय परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। सात सीटों वाली कारों की बिक्री में दूसरे स्थान पर महिंद्रा स्कॉर्पियो रही, जिसकी अप्रैल में 14,719 यूनिट्स बिकीं। हालांकि इसकी बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग पांच प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन इसकी लोकप्रियता ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बनी हुई है। तीसरे नंबर पर टोयोटा इनोवा ने अपनी जगह बनाई, जिसकी अप्रैल में 9,630 यूनिट्स की बिक्री हुई।

इनोवा की बिक्री में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में इसकी मजबूत स्थिति को बरकरार रखती है। इस सूची में महिंद्रा बोलेरो भी प्रमुखता से शामिल रही, जिसकी अप्रैल में 8,917 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में 6.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, महिंद्रा एक्सयूवी700 और एक्सयूवी7एक्सओ ने मिलकर कुल 8,630 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 26 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

पश्चिम एशिया का संकट अब भारतीय बाजारों पर भी, बढ़ सकती है महंगाई

भारत के लिए कच्चा तेल और सोना सबसे बड़े आयात, अर्थव्यवस्था पर असर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों पर भी दिखाई देने लगा है। होर्मुज के आसपास शिपिंग प्रतिबंधों और सप्लाई में रुकावट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेज आई है। कई देशों में इसका असर ईंधन की कीमतों पर साफ नजर आ रहा है, जबकि भारत ने फिलहाल इस दबाव को कुछ समय तक अपने स्तर पर संभाला है। हालांकि राज्य चुनाव खत्म होने के बाद अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी का असर ग्राहकों तक पहुंचाया जा सकता है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा है।

रिपोर्ट के मुताबिक टाटा म्युचुअल फंड ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत के लिए कच्चा तेल और सोना सबसे बड़े आयात हैं। अगर कच्चे तेल की कीमतों में करीब 50 फीसदी की तेजी लंबे समय तक बनी रही तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

अनुमान के मुताबिक कच्चे तेल में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से उपभोक्ता महंगाई दर में करीब 45 बेसिस पॉइंट की वृद्धि हो सकती है। साथ ही चालू खाता घाटा भी 30 से 40 बेसिस पॉइंट तक बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक महंगे कच्चे तेल का असर भारत के निर्यात और खाड़ी देशों से आने वाले रेमिटेंस पर भी पड़ सकता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 95 के स्तर के पार जा चुका है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार और भुगतान संतुलन पर दबाव बढ़ने की आशंका है। अगर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहती है, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर पर करीब 1 फीसदी का नकारात्मक असर पड़ेगा। वहीं चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर 5 फीसदी के करीब पहुंच सकती है।

डॉलर के मुकाबले क्यों टूट रहा रुपया.........जाने कारण

मुंबई। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में यह 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा दिन है जब रुपए ने डॉलर के मुकाबले नया रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ है। बीते तीन दिनों में रुपए में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो घरेलू मुद्रा पर बढ़ते दबाव को दिखाता है। बुधवार को यह 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं, जिसमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और अमेरिकी डॉलर की मजबूती शामिल हैं। इन कारकों के चलते, रुपया इस साल एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गया है, जिसमें अब तक छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही निचले स्तर पर पहुंच गया।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (जिसे लेख में ईरान युद्ध से जोड़ा गया है) के कारण अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 106.10 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, और कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ने और देश के व्यापार घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भी भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं, बुधवार को उन्होंने 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री की है। जिससे रुपए पर और दबाव बढ़ा।

सोने पर बढ़ी इंपोर्ट ड्यूटी से बड़ा उलटफेरः घटती मांग, बढ़ती तस्करी

पुराना सोना बदलकर नया खरीदने का चलन बढ़ेगा

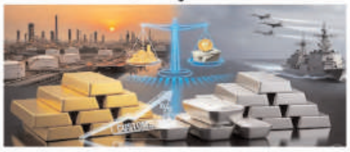

नई दिल्ली। भारत में सोना केवल एक आभूषण नहीं, बल्कि सुरक्षा, निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता रहा है। लेकिन मोदी सरकार द्वारा सोने पर बढ़ाई गई इंपोर्ट ड्यूटी ने अब इस कीमती धातु के पूरे गणित को बदल दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से न केवल सोने की मांग में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट आएगी, बल्कि बाजार में एक बड़ा बदलाव दिखाई देगा। अनुमान के मुताबिक, भारतीय घरों और धार्मिक संस्थानों में करीब 25,000 टन सोना पड़ा हुआ है। इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के कारण जब सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचेंगी, तब पुराने सोने को बेचने या बदलने की होड़ मच सकती है। लोग नए गहने खरीदने के बजाय पुराने गहनों को बदलकर नए डिजाइन बनवाना पसंद कर सकते हैं, या बढ़ी हुई कीमत पर सोना बेचकर नकदी जुटाएंगे। ज्वेलर्स के चेयरमैन के अनुसार, ऊंची कीमतों का फायदा उठाने के लिए लोग पुराने गहने बाजार में लाएंगे, जिससे रीसाइक्लिंग ब?गी। एक रिपोर्ट के अनुसार, एक बड़े के चेयरमैन का कहना है कि आने वाले समय में पुराना सोना बदलकर नया खरीदना (गोल्ड एक्सचेंज) संगठित ज्वेलरी बाजार में खरीदारी का सबसे प्रमुख तरीका बन जाएगा, जिसका चलन बड़े रिटेलर्स के लिए वर्तमान में ही लगभग 50 प्रतिशत बिक्री का स्रोत है।

इस बीच, इंडस्ट्री के दिग्गज तस्करी ब?ने की चेतावनी दे रहे हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन सुरेंद्र मेहता ने चिंता जाहिर की है कि ड्यूटी बढ़ने से गैरकानूनी रास्तों से सोना देश में आने की संभावना ब? जाती है। अतीत में भी जब शुल्क ऊंचा था, तब सालाना 100-120 टन सोना तस्करी के जरिए भारत आता था।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

शुक्रवार, 15 मई 2026

प्रभारी मंत्री राधा सिंह आज मैहर आयेंगी

मैहर मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 15 मई को बैढ़न से कार द्वारा प्रातः 11.30 बजे मैहर आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री दोपहर 12 बजे सर्किट हाउस में प्रबंध समिति की बैठक लेंगी। इसके बाद प्रभारी मंत्री दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों की बैठक लेने के पश्चात सायं 6 बजे मां शारदा लोक परिसर का निरीक्षण करेंगी। प्रभारी मंत्री सायं 7.30 बजे सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात करेंगी और इसी रात्रि 9.20 बजे मैहर से रेवांचल एक्सप्रेस द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

निःशुल्क यूपीएससी एवं पीएससी कोचिंग में प्रवेश का एक और सुनहरा मौका

सतना यूपीएससी एवं एमपीपीएससी परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का इनक्यूबेशन सेंटर धवारी सतना में संचालन किया जा रहा है। सहायक संचालक निःशुल्क कोचिंग ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद सभी वर्गों के विद्यार्थियों को एमपी पीएससी एवं यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कराने के लिये निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का नवीन बैच शुरू होने जा रहा है।

भगवान बिरसा मुण्डा एवं टंट्या मामा स्वरोजगार योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान 5 वर्ष तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर त्रैमासिक दिया जायेगा एवं गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी।

14 मई से ग्राम कर्थुआ में 9 दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन

सिंगरौली कीर्ति प्रभा सिंगरौली जिले के चितरंगी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत कर्थुआ में सरपंच आशीष कुमार गुप्ता एवं स्वामी पद्मनाभानंद महराज योगाचार्य समस्त ग्राम व क्षेत्रीय जनता जनार्दन के सहयोग से 14 मई से 21 मई तक सायं 4०30 बजे से रोजाना राष्ट्रीय कथा वाचक श्री पर पवन देव महाराज वृन्दावन के मुखारविंद से राम नाम की गंगा का प्रवाह जन जन तक पहुंचाने के साथ श्री अयोध्या धाम के रूप में कर्थुआ के गलियारों को सजाया गया है।

अनुसूचित जाति के व्यक्ति स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति सतना ने बताया कि जिले के शिक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे बेरोजगार युवक एवं युवतियों के स्व-रोजगार के लिए म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा संत रविदास स्वरोजगार योजना प्रारंभ की गई है।

डाक विभाग में डायरेक्ट एजेंट की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

सतना भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत संचालित इंडिया पोस्ट की प्रतिष्ठित बीमा योजनाओं पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) एवं रूरल पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (आरपीएलआई) के व्यवसाय विस्तार के लिए डाक संभाग सतना में प्रत्यक्ष अभिकर्ता की नियुक्ति की जाएगी।

यह भवन केवल कार्यालय नहीं

सुशासन और विकास का प्रतीक :विधायक

आमजन को बेहतर प्रशासनिक सुविधाओं की सौगात, कुसमी में नए एसडीएम भवन का शुभारंभ

विकास के साथ सुशासन भी हमारी प्राथमिकता - विधायक कुंवर सिंह टेकाम

सीधी जिले के कुसमी उपखंड क्षेत्र में गुरुवार को विकास और सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई, जब धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने 131 लाख रुपये की लागत से निर्मित सर्वसुविधायुक्त नवीन एसडीएम कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन अब उपखंड क्षेत्र के लगभग 129 गांवों के नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराएगा। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने फीता काटकर भवन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्यामवती सिंह, जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, ग्राम पंचायत भगवार की सरपंच चेतना सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान एसडीएम कुसमी शैलेश द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ज्ञानेंद्र मिश्रा, तहसीलदार नारायण सिंह सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि यह नवीन एसडीएम कार्यालय भवन केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, सुशासन और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों को जर्जर भवन में प्रशासनिक कार्यों के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन के शुरू होने से लोगों को सम्मानजनक और व्यवस्थित वातावरण में सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाओं को सरलता और पारदर्शिता के साथ पहुंचाना है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है और आगे भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। विधायक ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि इस नवीन भवन के माध्यम से आम नागरिकों के कार्यों का त्वरित, संवेदनशील और पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मठ कर्मचारियों के समर्पण से ही शासन की योजनाएं प्रभावी रूप से आमजन तक पहुंचती हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था के बीच 17 मई को होगा जेईई (एडवांस) 2026 परीक्षा का आयोजन

जेईई (एडवांस) 2026 की बैठक संपन्न

सतना जिले में 17 मई को आयोजित होने वाली जेईई (एडवांस) 2026 परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक और प्रशासनिक तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में करही रोड अमौधा स्थित विंध्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस को परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है।

गुरुवार को अपर कलेक्टर सतना शैलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एसडीएम रामपुर बघेलान सुभाष मिश्रा, स्वास्थ्य विभाग से अभिषेक सिंह, अधीक्षण यंत्री मृगेन्द्र सिंह चन्देल, टीसीएसआईओ एस हर्षवर्धन सिंह चन्देल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि परीक्षार्थी को परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस अधीक्षक को परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुरुष एवं महिला पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा केंद्र पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीम पूर्व से ही तैनात रहे। आयुक्त नगर निगम सतना को फायर ब्रिगेड एवं अन्य आपात सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग को परीक्षा अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न होने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा एजेंसी टीसीएस आईओएन को अभ्यर्थियों की सघन जांच, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में अपर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

महंत कमल नयनदास जी महाराज का लिया आशिर्वाद

मैहर। मणीराम छावनी के महंत कमल नयनदास जी महाराज शास्त्री के उत्तराधिकारी नृत्य गोपालदास जी महाराज श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ अध्यक्ष अयोध्या एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अध्यक्ष का आगमन मैहर में आशा भवन सक्सेना कालोनी में हुआ। इस मौके पर ब्राम्हण समाज के जिला अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय एवं श्रीमती बाई पाण्डेय स्वागत बंदन कर आशिर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राजललन मिश्रा एवं वेद विद्यालय के आचार्य प्रशांत गौतम की उपस्थिति रही।

श्रीराम की कथा जीवन सुधारने के लिए और श्रीमद् भागवत की कथा मृत्यु सुधारने के लिए

मैहर। संगीतमई श्रीमद् भगवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन संगीता सुशील बाजपेयी के आयोजकत्व में किया जा रहा है। गुरुवार की कथा में व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य रामेश्वर नारायण जी महाराज ने बताया कि जीवन सुधारने के लिए श्रीराम कथा और मृत्यु सुधारने के लिए श्रीमद् भागवत की कथा सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो मन को अपनी ओर आकर्षित कर ले वह श्रीकृष्ण हैं। श्रीमद् भागवत की कथा में पूर्ण परमात्मा की वंदना है। ब्रम्हऋषि नारद के संदर्भ में बताया कि जो व्यक्ति को भक्ति के रास्ते पर ले जाय उसे नारद कहते हैं। चर्तुमास वृत के बारे में बताया कि संत अक्सर चर्तुमास का वृत रखते हैं जो अषाढ़, श्रावण, भादौं और क्वार मास तक रहता है। इस दरम्यान वह भोजन का त्याग कर देते हैं फल दूध और जल लेकर ही वृत करते हैं।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे आत्मरक्षा और फिटनेस के गुर प्रशिक्षण को लेकर उत्साह

सीधी खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा आयोजित 'आरोह 2026 समर कैंप दु खेले, सीखें, आगे बढ़ें' के अंतर्गत जिले के पुलिस लाइन सामुदायिक भवन, सीधी में वूशु एवं कुश्ती प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप में बड़ी संख्या में बालक एवं बालिकाएं भाग लेकर आत्मरक्षा, फिटनेस और खेल कौशल के गुर सीख रहे हैं।

शिविर में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला कोच मानिंद शेर अली खान द्वारा बच्चों को वूशु (मार्शल आर्ट) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को आत्मरक्षा के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विभाग द्वारा समर कैंप के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी जारी है। शिविर में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को भोपाल से ऑनलाइन प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। विभाग ने अभिभावकों से अपने बच्चों को इस शिविर से जोड़ने की अपील की है, ताकि वे आत्मरक्षा, फिटनेस और व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव तैयार कर सकें।

समर कैंप में वूशु और कुश्ती प्रशिक्षण के साथ-साथ योग, प्राणायाम, व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजक खेल, फिटनेस अभियान, सामाजिक जागरूकता गतिविधियां, प्रतियोगिताएं एवं फैमिली-सोसाइटी एंगेजमेंट कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। बच्चों को खेलों के बेसिक से लेकर एडवांस स्तर तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण कार्य की समीक्षा

उत्कृष्ट प्रगणकों का सम्मान

सतना जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य की प्रगति की समीक्षा गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने की। बैठक में नगर निगम के जोन-1 एवं जोन-3 के प्रगणक एवं सुपरवाइजरों ने अपने कार्य के दौरान आ रही समस्याओं को साझा किया। भोपाल से आए विशेषज्ञ उमेशचन्द्र कुशवाहा द्वारा इन समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी गिरीश अग्निहोत्री, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जनगणना प्रभारी डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते एवं नगर जनगणना अधिकारी सत्यम मिश्रा उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन प्रगणकों द्वारा अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं लाई गई है, वे शीघ्र कार्य पूर्ण करें। कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तहसील रघुराजनगर एवं कोठी के प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। नगर निगम क्षेत्र के ऐसे प्रगणक जिन्होंने अपना कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया, उन्हें भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रघुराजनगर से शिक्षक केके शुक्ला, राजकुमार वर्मन, जावेद, शैलेश तिवारी, ओ.बी. शुक्ला तथा कोठी से उमेश कुमार शर्मा, अनामिका लहरी, विवेक वर्मा, महेन्द्र सिंह, किशोर नामदेव, मनीष सोनी सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कुसमी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की दी गई जानकारी

सीधी जिले में साक्षरता को बढ़ावा देने और बुनियादी शिक्षा से वंचित लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से कुसमी विकासखंड में विशेष पहल की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की बैठक में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बैठक में जनपद शिक्षा केंद्र कुसमी के बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने विभाग एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार कार्यक्रम की रूपरेखा समझाते हुए बताया कि इसके अंतर्गत असाक्षर व्यक्तियों का सर्वे, चिन्हांकन तथा उनका सामाजिक चेतना केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन वीडियो और अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे असाक्षर व्यक्तियों को पढ़ने-लिखने में आसानी हो सके। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साक्षरता ऐप के माध्यम से स्वयं को 'अक्षर साथी' के रूप में पंजीकृत करने की प्रक्रिया भी समझाई। साथ ही यह भी बताया कि समग्र आईडी के माध्यम से किस प्रकार असाक्षर महिलाओं और अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों का ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है।

स्वास्थ्य और महिला-बाल विकास विभाग की संयुक्त पहल: रीवा संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीधी में किया मैदानी निरीक्षण

सीधी मातृ-शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण उन्मूलन और टीकाकरण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रीवा संभाग के स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने सीधी जिले का संयुक्त भ्रमण किया। इस दौरान मैदानी निरीक्षण के साथ जिला पंचायत सभागार में समन्वय बैठक आयोजित कर योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग डॉ. एस.बी. अवधिया, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग रीवा संभाग शशि श्याम उइके, उप संचालक स्वास्थ्य विभाग डॉ. ज्ञानेश मिश्रा एवं संभागीय समन्वयक अभय पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर चदैनिया एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर कपुरी का संयुक्त निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानी।

निरीक्षण के दौरान दवा वितरण, एएनसी जांच, टीकाकरण, पोषण पुनर्वास, आंगनबाड़ी गतिविधियों एवं अभिलेख संधारण का बारीकी से अवलोकन किया गया। क्षेत्रीय संचालक डॉ. एस.बी. अवधिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मातृ-शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण नियंत्रण एवं टीकाकरण के लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल करें। उन्होंने हाई रिस्क गर्भवतियों की नियमित ट्रैकिंग, गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी रेफरल और समयबद्ध फॉलोअप सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का कलेक्टर ने किया सम्मान

सीधी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। सम्मान समारोह में कक्षा 12वीं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में श्री गणेश स्कूल सीधी की छात्रा अनिका गुप्ता, जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के आयुष द्विवेदी एवं प्रगति गुप्ता तथा केंद्रीय विद्यालय सीधी के अथर्व सिंह सेंगर को सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले आदित्य बिड़ला स्कूल बघवार के समर्थ मिश्रा, केंद्रीय विद्यालय सीधी की सृष्टि सिंह तथा जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट की प्रियंका पटेल को भी प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के माता-पिता को भी सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि सफलता केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह निरंतर मेहनत, अनुशासन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और परिवार व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि जिले के इन प्रतिभाशाली बच्चों ने यह साबित कर दिया है कि समर्पण और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता के लिए सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें, चुनौतियों से घबराएं नहीं और अपने ज्ञान का उपयोग समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करें। उन्होंने अभिभावकों को भी बच्चों की सफलता के पीछे प्रेरणास्रोत बताते हुए उनकी भूमिका की सराहना की।

105 हितग्राहियों को मिले सहायक उपकरण, रामपुर नैकिन में आयोजित वितरण कार्यक्रम

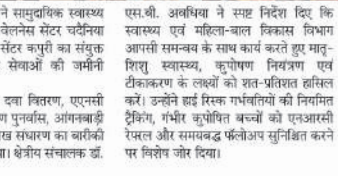

सीधी सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला सीधी द्वारा जनपद पंचायत रामपुर नैकिन में भारत सरकार की वायोश्री योजना एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 105 हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता अनुसार विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। वितरण कार्यक्रम में हितग्राहियों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र (कान की मशीन), सुगम्य केन, आईडी किट सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके दैनिक जीवन को अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाना रहा।

यह कार्यक्रम अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं उपसंचालक धनंजय मिश्रा तथा सीईओ जनपद पंचायत रामपुर नैकिन राजीव लोचन तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

उपकरण वितरण प्रक्रिया में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान ट्रांस डिसीप्लिनरी विशेष शिक्षक (आईडी) शिवांशु शुक्ला एवं सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दीपक त्रिपाठी ने चिन्हांकित हितग्राहियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम में समाजसेवी चंद्रशेखर साकेत, जनपद सदस्य अरुण शेखर त्रिपाठी, दिग्विजय, आशीष कुमार अग्निहोत्री, महेंद्र सिंह भदौरिया, आलोक शुक्ला, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रीति वर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कार्यालयीन स्टाफउपस्थित रहे।

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

केरल के मुख्यमंत्री का चयन 10 दिन में

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस मुद्दे को लेकर हुई, वह केवल जीत-हार तक सीमित नहीं रही, बल्कि कांग्रेस संगठन की कार्यप्रणाली और नेतृत्व क्षमता भी बहस के केंद्र में आ गई। विशेष रूप से केरल में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री के चयन में दस दिन का समय लगना राजनीतिक हलकों में चर्चा और आलोचना का विषय बन गया। गौरतलब है कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे और कांग्रेस के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या थी। बावजूद इसके पार्टी मुख्यमंत्री के नाम पर जल्दी निर्णय नहीं ले सकी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विधायक दल के नेता के चयन का अधिकार पहले ही दे दिया गया था। उन्होंने विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा भी की, लेकिन आम सहमति नहीं बन सकी। अंततः पार्टी को जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, दीपा दासमुंसी और अजय माखन जैसे वरिष्ठ नेताओं को केरल भेजना पड़ा। दो दिन की मशक्कत के बाद वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनी और उनके मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। यह स्थिति उस पार्टी के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक मानी जाएगी, जो कभी देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति थी। केरल जैसे राज्य, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का सीधा राजनीतिक जुड़ाव रहा है, वहां भी नेतृत्व चयन को लेकर इतना लंबा गतिरोध कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है। विडंबना यह रही कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और यूडीएफ के कई सहयोगी दल पहले ही वीडी सतीशन के समर्थन में खुलकर सामने आ चुके थे। सतीशन लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहे हैं और उन्हें जमीनी नेता माना जाता है। इसके बावजूद कांग्रेस के भीतर शक्ति संतुलन और गुटबाजी इतनी मजबूत रही कि निर्णय लेने में पार्टी नेतृत्व को अत्यधिक समय लग गया। दरअसल, कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत ही आज उसकी कमजोरी बनती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक माहौल होने के कारण हर नेता अपनी बात खुलकर रखने और अपने हित साधने की कोशिश करता है। यदि उसकी बात नहीं मानी जाती तो कई बार वह पार्टी छोड़कर क्षेत्रीय दल बना लेता है या भाजपा में शामिल हो जाता है। कांग्रेस के केंद्र में सत्ता से बाहर होने के बाद यह प्रवृत्ति और तेज हुई है। आज कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत दिखाई देती है, वहां भी आंतरिक खींचतान उसके लिए चुनौती बनी हुई है। कर्नाटक इसका बड़ा उदाहरण है, जहां सरकार बनने के बाद भी मुख्यमंत्री पद को लेकर समय-समय पर विवाद सामने आते रहते हैं। कांग्रेस का बड़ा समय विपक्ष से लड़ने के बजाय अपने ही नेताओं के बीच संतुलन बनाने में निकल जाता है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी ने पिछले एक दशक में अपने संगठन को अधिक केंद्रीकृत और अनुशासित बनाया है। हालांकि भाजपा की राजनीतिक ताकत का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस से आए नेताओं पर भी टिका है। कई राज्यों में भाजपा ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेताओं को अपने साथ जोड़कर सरकारें बनाई हैं। यह तथ्य कांग्रेस और भाजपा दोनों भलीभांति जानते हैं। यह भी सच है कि कांग्रेस आज भी देशभर में एक व्यापक जनाधार रखने वाली पार्टी है। केंद्र में रहते हुए भी भाजपा प्रत्येक राज्य में वैसी सामाजिक स्वीकार्यता नहीं बना सकी है जैसी कांग्रेस के पास दशकों से रही है। लेकिन कांग्रेस के भीतर निजी महत्वाकांक्षाएं और गुटीय संघर्ष उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है। कांग्रेस नेताओं का यह तर्क भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि केंद्र में सत्ता संतुलन भाजपा के पक्ष में होने से कांग्रेस पर लगातार दबाव बना रहता है। जांच एजेंसियों, राजनीतिक अभियानों और संसाधनों की असमानता के बीच कांग्रेस को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। बहरहाल इन तमाम परिस्थितियों के बावजूद यदि पार्टी आंतरिक एकजुटता नहीं दिखा पाएगी, तो उसकी चुनौतियां और बढ़ेंगी। केरल में आखिरकार वीडी सतीशन के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसे देर आयद दुरुस्त आयद की स्थिति कहा जा सकता है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस की सबसे बड़ी लड़ाई फिलहाल भाजपा से कम और अपने भीतर की राजनीति से अधिक है। यदि पार्टी समय रहते संगठनात्मक अनुशासन और नेतृत्व में स्पष्टता नहीं ला पाई, तो उसकी आंतरिक कलह ही भविष्य में उसके राजनीतिक संकट को और गहरा कर सकती है।

पेपर लीक - लचर न्याय प्रक्रिया के साइड इफेक्ट

एक बार फिर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई। पिछले दस सालों में यह चौथा मौका है जब देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक नीट यूजी में पेपर लीक होने की घटना हुई है। नीट के अलावा पिछले दस सालों में लगभग सौ प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। विश्वगुरु होने का दावा करने वाले देश के लिये यह बेहद शर्मनाक घटना है। प्रतियोगी परीक्षा के पीछे केवल परीक्षार्थियों की मेहनत और महत्वाकांक्षा ही ध्वस्त नहीं होती, उनके परिवार के सपने भी टूटते हैं और सारा त्याग और सम्बल व्यर्थ हो जाता है। साथ ही देश के संसाधनों की बरबादी होती है और छात्रों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। उन्नत टेक्नोलॉजी के दौर में देश एक सुरक्षित और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित नहीं कर पाता तो यह सिस्टम की घोर असफलता है। समय और संसाधनों की बरबादी के अलावा ऐसी घटनाओं से देश की प्रतिष्ठा हानि भी होती है।

सवाल यह है कि ऐसा होता क्यों है? इसके पीछे कई फैक्टर हैं जैसे छात्रों और उससे ज्यादा उनके परिवारों की महत्वाकांक्षा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्थानों का रैकेट और काला धन। दरअसल पढ़ाई या नौकरी से संबंधित कोई भी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षा व्यवस्था के दलालों और कोचिंग रैकेट के सरगनाओं के लिए एक कमाई का मौका बन जाती है। पेपर लीक तो सिर्फ पहली सीढ़ी है, उसके बाद मूल्यांकन में गड़बड़ी, मैरिट लिस्ट में हेराफेरी, अलॉटमेंट में जुगाड़ वगैरह सब पर शिक्षा माफिया का कंट्रोल होता है। अगर कहीं चूक हो जाए तो शोर मच जाता है वरना ये सब घोटाला बदस्तूर चलता रहता है।

लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर है; हमारी लचर न्याय प्रक्रिया! समाज के हर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध वास्तव में कमजोर न्याय प्रक्रिया का साइड इफेक्ट है। मसलन बीसियों बार पेपर लीक हो चुके हैं अथवा नियुक्ति प्रक्रिया रद्द की गई है मगर हमारी सरकारें कुछ सीखती ही नहीं। लोगों को वर्ष 2013 में मध्यप्रदेश का बहुचर्चित और बदनाम व्यापम घोटाला जरूर याद होगा जिसमें अनेक अपात्रों को मेडीकल कॉलेजों में दाखिला और कई अन्य विभागों में नौकरी दिलाई गई थी। मगर यह किसी को याद नहीं होगा कि पुलिस की चार्ज शीट में लगभग 3000 लोगों के नाम होने के बाद बमुश्किल 100 लोगों को सजा हुई। वह भी लम्बी ट्रायल, जमानत और अपील वगैरह के बाद। ऐसा अमूमन हर घोटाले के साथ होता है। पकड़े जाने पर मीडिया में शोरगुल, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन, जाँच और फिर कानूनी प्रक्रिया का लम्बा दौर। कई बार तो आरोप पत्र ही सालों बाद कोर्ट में पेश होता है। इस लेट लतीफी का लाभ लेकर जमानत पर छूटे चतुर अपराधी सबूतों और गवाहों की भूल भुलैया में केस उलझा देते हैं। आखिर में कुछ लोगों को दण्डित कर मामला खत्म कर दिया जाता है। इस सारी प्रक्रिया में सिस्टम से जुड़े उच्चाधिकारी साफ बच निकलते हैं क्योंकि उनके अलिखित आदेशों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता। ये तमाशा केवल पेपर लीक और परीक्षाओं के मैनेज करने तक नहीं बल्कि हर तरह के भ्रष्टाचार में दिखाई देता है। ईडी, इन्कम टैक्स, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जीएसटी वगैरह किसी भी एजेंसी का मामला हो आखिर में अंजाम लगभग यही होता है। डकैती, रेप और हत्या जैसे संगीन अपराधों में भी न्याय प्रक्रिया की कमजोरी और लेट लतीफी आखिर अपराधियों को ही लाभ पहुंचाती है।जनता भी जब-तब उजागर होने वाले नए घोटालों की सनसनी में पुराने मामले भूलती जाती है। अपराधियों के हौसले इस कदर बुलन्द हैं कि आजकल जमानत पर छूटने का भी जश्न मनाया जाता है। जाहिर है कि जमानत पर छूट जाना ही अपराधी के लिए कामयाब हो जाना है क्योंकि मुकदमा तो सालों तक चलना निश्चित ही है। कई अपराधी जमानत पर छूटकर दोबारा भी अपराध कर गुजरते हैं।

अधिकांश घोटाले अथवा अपराध कुछ लोगों तक ही सीमित होते हैं लेकिन जब पेपर लीक या नियुक्ति रद्द होने जैसी घटनाएं होती हैं तो लाखों लोग प्रभावित होते हैं। नीट यूजी की परीक्षा लगभग 22 लाख छात्रों ने महीनों की कड़ी मेहनत झोंक दी होगी। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में लगभग 25000 नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। हाल में ही मध्यप्रदेश में 13000 प्राथमिक शिक्षकों की चयन सूची पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा एवं चयन में गड़बड़ी के ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जब परीक्षार्थियों अथवा प्रतिस्पर्धियों की मेहनत व्यर्थ गई और उनके सपने टूट गए।स्पष्ट है कि अपराधियों, आला अफसरों और राजनेताओं की मिलीभगत के बिना ऐसा होना सम्भव ही नहीं।

खेदजनक तथ्य यह है कि राजनीति और अपराध के गठजोड़ के चलते कानून का डर धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। एक आम आदमी जरूर कानून से डरता है लेकिन अपराधी बेखौफ अपराध करते रहते हैं क्योंकि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है। रेत माफिया और जंगल माफिया के पुलिस और अधिकारियों पर हमले उनकी राजनेताओं से सांठ गांठ के उदाहरण हैं। यह समझना मुश्किल नहीं कि अपराधी और राजनेता अब एक दूसरे के हितसाधक हो गए हैं। इससे ज्यादा त्रासद और शर्मनाक क्या होगा कि आपराधिक मामलों में लिप्त सैकड़ों राजनेता विधायक और सांसद बने हुए हैं। न्याय प्रक्रिया की लापरवाही और लेट लतीफी के चलते ऐसे राजनेता कानून के उस सिद्धान्त का सहारा लेते हैं कि; दोषी साबित होने तक आरोपी निर्दोष है। बहुतों को आखिरकार सजा होती भी है लेकिन तब तक वे कई महत्वपूर्ण पद सुशोभित कर चुके होते हैं। अपराधियों में कानून का भय खत्म हो जाना समाज के लिए खतरे की घंटी है और इसके परिणाम दिखाई भी देने लगे हैं। अगर समय रहते न्याय प्रक्रिया में व्यापक और वांछित सुधार नहीं किए गए तो यह अनदेखी समाज और देश के लिए बहुत घातक साबित होगी।

शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरुआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चर्चाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निर्माताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया,

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे। अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तुम्हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रख और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, तेरस/चौदस, शुक्रवार, अश्वनी नक्षत्रे, आद्र योगे, वालव करणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा 2/46, 28/14 चर्तुदशी व्रत, मूल समाप्त रात्रि सांय 6/38 वृष, सर्वार्थ सिद्ध योगे, तथापि उत्तर दिशा के बाद पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, धार्मिक अनुष्ठानकर्ता, पंडित, विद्वान, शिक्षक-लेक्चरार, प्रोफेसर, योगीभोगी, उत्तम व्यवसायी होगा।

मेष राशि :- साधन सम्पन्नता का योग फलप्रद हो, आर्थिक योजना अवश्य सफल होगी।

वृष राशि :- अपने किये पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि :- सफलता के साधन जुटाएं, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि हो, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि :- दैनिक कार्यों में सफलता, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुख वर्धक हो।

सिंह राशि :- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

कन्या राशि :- धन प्राप्ति, आशानुकूल सफलता में वृद्धि, बिगड़ी कार्य-योजना अवश्य ही बनेगी।

तुला राशि :- आशानुकूल सफलता से हर्ष, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे, कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों से कार्य-योजना बनेगी, ध्यान दें।

धनु राशि :- योजनापूर्ण हो, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता कम होगी।

कुंभ राशि :- अर्थिक योजनापूर्ण हो, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी होगी, ध्यान अवश्य दें।

मीन राशि :- दैनिक कार्यगति में बाधा, चिन्ता, उद्विग्नता, धन का व्यय होगा, ध्यान दें।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और च्मैंज् का अहंकार च्हमज् की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे च्अहिंसा की प्रयोगशालाज्ज् बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि च्वसुधैव कुटुम्बकम्ज् की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7203

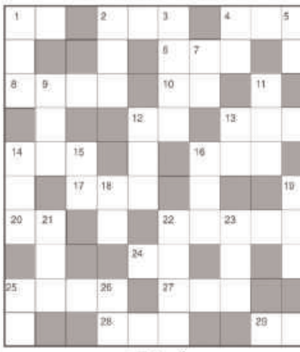

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'याद मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जोबन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' की नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूं राम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सोनाली, उर्वशी की 'वो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलाय पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन हैं-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-६
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैसल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जायो' गीत वाली फिल्म-३
१८. सर्वेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7202

Jagrutideep.com, Bangalore

रूसी हमले में अब तक 6 की मौत, दर्जनों घायल

कीव। वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए शांति वार्ताओं की चर्चाओं के बीच, रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे भीषण हमला किया है। मॉस्को ने करीब 800 ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम 6 लोगों की दर्दनाक मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले को बीते चार वर्षों में रूस द्वारा किया गया सबसे लंबा और बड़ा हमला बताया है। यह व्यापक हमला सुबह शुरू हुआ और राजधानी कीव, पोलैंड के पास पश्चिमी शहर ल्वीव, काला सागर पर स्थित बंदरगाह शहर ओडेसा सहित कई आबादी वाले इलाकों में घंटों तक होता रहा। जेलेंस्की ने बताया कि रूस का साफ मकसद यूक्रेन की हवाई सुरक्षा प्रणाली पर इतना दबाव डालना है कि वह इन हमलों को संभाल न पाए।

ब्रिटेन में भारतीय ट्रांसजेंडर छात्र बना स्कॉटलैंड का सांसद

लंदन। ब्रिटेन से हाल के दिनों में सामने आई दो विपरीत खबरों ने वैश्विक राजनीति और सामाजिक ढांचे को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। इस नीतिगत बदलाव का सबसे सुखद परिणाम भारतीय छात्र क्यू मणिवन्नन की जीत के रूप में सामने आया है। मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट ऐंड्रूज से पीएचडी कर रहे थे। स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर उन्होंने न केवल जीत दर्ज की, बल्कि छात्र वीजा पर रहते हुए सांसद बनने वाले पहले भारतीय और ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि बनकर इतिहास रच दिया।

दक्षिण कोरिया की मिसाइल ने बढ़ाई चीन, अमेरिका की टेंशन

सियोल। प्रशांत महासागर के रणनीतिक जलक्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच जारी वर्चस्व की जंग अब आसमान के उस छोर पर पहुंच गई है, जहां जीत का फैसला मिसाइलों की रफ्तार और अचूक मारक क्षमता से होगा। इसी महाशक्ति संघर्ष के बीच दक्षिण कोरिया ने अपनी रक्षा कंपनी हनवा एयरोस्पेस के माध्यम से एक ऐसा दांव चला है, जिसने वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। दक्षिण कोरिया द्वारा विकसित की जा रही लॉन्ग रेंज एयर टू एयर मिसाइल केवल एक हथियार नहीं, बल्कि उस एशियाई चक्रव्यूह का जवाब है जिसने अब तक पश्चिमी तकनीक पर निर्भरता बनाए रखी थी।

अमेरिका को करीब 29 अरब डॉलर का भारी-भरकम खर्च उठाना पड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष और तनावपूर्ण युद्धविराम के बीच वैश्विक राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

एक ओर जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ईरान के मुद्दे और व्यापारिक रिश्तों पर चर्चा के लिए बीजिंग रवाना हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर इस युद्ध की बढ़ती आर्थिक कीमत ने अमेरिका के भीतर चिंता की लहर पैदा कर दी है।

ट्रंप की बीजिंग यात्रा के बीच अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में दावा ईरान को चीनी हथियारों की

गुप्त सप्लाई से मचा हड़कंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी महत्वपूर्ण मुलाकात से ठीक पहले एक गोपनीय अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उबाल ला दिया है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन की कुछ कंपनियां तीसरे देशों के रास्ते ईरान तक घातक हथियार पहुंचाने की गुप्त योजना पर काम कर रही हैं। वॉशिंगटन के गलियारों में चर्चा है कि यह खुलासा ट्रंप के चीन दौरे के बीच अमेरिका के लिए एक बड़ा रणनीतिक झटका साबित हो सकता है।

खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कंपनियां इस बात पर विचार कर रही थीं कि हथियारों की खेप को सीधे चीन से भेजने के बजाय किसी अन्य देश के माध्यम से रूट किया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और सीधे आरोपों से बचा जा सके। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर मतभेद हैं कि हथियारों की वास्तविक सप्लाई शुरू हो चुकी है या यह केवल बातचीत के स्तर पर है।

फिर भी, इस संभावना ने अमेरिका की चिंताएं ब?ा दी हैं, क्योंकि उसे डर है कि ईरान सीजफायर की आ? में अपनी सैन्य शक्ति को दोबारा संगठित करने के लिए चीन की परोक्ष मदद ले रहा है। अमेरिकी रणनीतिकारों का मानना है कि इतनी संवेदनशील हथियार डील बीजिंग के शीर्ष नेतृत्व की जानकारी के बिना संभव नहीं है। इससे पहले अप्रैल में भी ऐसी खबरें आई थीं कि चीन ने ईरान को पोर्टेबल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (मैनपैड्स) उपलब्ध कराई थीं, जो ड्रोन और हेलिकॉप्टर गिराने में सक्षम हैं।

हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस रिपोर्ट पर फिलहाल सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईरान के मामले में अमेरिका को किसी की मदद की जरूरत नहीं है और वे अपने तरीके से जीत हासिल करेंगे।

ट्रंप ने यह संकेत दिया कि उनके इस दौरे का मुख्य केंद्र व्यापारिक समझौते ही रहेंगे। इस बीच, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ मजबूत करना दुनिया के लिए सिरदर्द बना हुआ है। वैश्विक तेल आपूर्ति के इस मुख्य मार्ग पर नियंत्रण के जरिए ईरान न केवल सैन्य बल्कि अपनी आर्थिक ताकत भी ब?ाने में जुटा है। ईरान ने इराक और पाकिस्तान के साथ तेल परिवहन को लेकर नए समझौते किए हैं, जिससे उसे अपने तेल कारोबार से दोगुनी कमाई की उम्मीद है।

फिलहाल मध्य-पूर्व में लागू सीजफायर बेहद नाजुक स्थिति में है। अमेरिका जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर उसके प्रभुत्व को खत्म करना चाहता है, वहीं ईरान प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर अड़ा है। ऐसे में चीन दौरे के बीच आए इस नए खुलासे ने अमेरिका, चीन और ईरान के त्रिकोणीय समीकरणों को और अधिक जटिल और तनावपूर्ण बना दिया है।

पाकिस्तानी एयरबेस पर संदिग्ध सी130 हरकुलस विमान आया नजर, अमेरिका चिंतित

चीन की सेटेलाइट कंपनी ने जारी की तस्वीर, दावा- ईरान का हो सकता है यह विमान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस को लेकर बड़ा खुलासा अब सामने आया है, जिसने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। चीन की सेटेलाइट तस्वीर कंपनी ने एक ऐसी तस्वीर जारी की है, जिसमें एयरबेस पर संदिग्ध सी130 हरकुलस विमान दिखाई दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह विमान ईरान का हो सकता है। इस खबर के सामने आते ही अमेरिका समेत कई देशों में बहुत ज्यादा चिंता बढ़ गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ये तस्वीरें अप्रैल 2026 की है। पाकिस्तान के बेहद अहम नूर खान एयरबेस पर खड़ा एक ऐसा विमान दिख रहा है जिसका रंग और डि?ाइन पाकिस्तान एयरफोर्स के विमानों से बहुत अलग है। विमान पर रेगिस्तानी इलाके में इस्तेमाल होने वाला सैंड कैमोफ्ला? पेंट किया गया है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान आमतौर पर ग्रे रंग के सैन्य विमान इस्तेमाल करता है। जबकि यही खास पैटर्न ईरान की एयरफोर्स अपने सी130 विमानों में इस्तेमाल करती है।

यही वजह है कि अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या पाकिस्तान अपने एयरबेस में ईरानी सैन्य विमानों को छिपा कर रख रहा है। कुछ अमेरिकी रिपोर्ट्स में पहले भी आशंका जताई गई थी कि पाकिस्तान गुप्त रूप से ईरान को मदद पहुंचा रहा है और इसके विमानों को सुरक्षित जगह दे रहा है। इस पूरे मामले में इसलिए भी ज्यादा तूल पकड़ लिया क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन के दौरे पर हैं। ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति सी जिनपिंग की मुलाकात से पहले इन तस्वीरों का सामने आना बेहद अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि चीन ने जानबूझकर यह तस्वीरें जारी की है ताकि पाकिस्तान की भूमिका दुनिया के सामने लाई जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह साबित हो जाता है कि पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी तो अमेरिका नाराज हो सकता है। पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक और सैन्य मदद के लिए अमेरिका पर निर्भर रहा है। ऐसे में यह खुलासा उसके लिए बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकता है। फिलहाल पाकिस्तान की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

पीएम मोदी की लोकप्रियता के मुरीद हुए यूरोपीय देश

नॉर्डिक देशों को दी सीख लेने की सलाह

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी नॉर्वे यात्रा से पहले अंतरराष्ट्रीय मीडिया में उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता की जबरदस्त चर्चा हो रही है। नॉर्वे के प्रमुख व्यापारिक समाचार पत्र दागन्स नैरीङ्स्लिव ने एक विशेष लेख प्रकाशित कर प्रधानमंत्री मोदी की जमकर सराहना की है। अखबार ने उन्हें न केवल दुनिया का सबसे लोकप्रिय राजनेता बताया, बल्कि नॉर्डिक देशों के नेताओं को उनसे सीखने की सलाह भी दी है। यह लेख ऐसे समय में आया है जब 18 मई को प्रधानमंत्री मोदी नॉर्वे की महत्वपूर्ण यात्रा पर पहुंचने वाले हैं।अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी नॉर्वे के राजा किंग हैरल्ड से मुलाकात करेंगे और भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। नॉर्वे के अखबार ने आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि जहां यूरोपीय देशों के अधिकांश नेताओं की घरेलू लोकप्रियता 30 प्रतिशत के आसपास सिमट जाती है, वहीं पीएम मोदी 70 प्रतिशत की रेटिंग के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 12 वर्षों से सत्ता में रहने के बावजूद उनकी लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण भारत का तेज आर्थिक विकास और उनका व्यक्तिगत संघर्षपूर्ण जीवन है। अखबार ने उन्हें एक सेल्फ-मेड नेता बताते हुए कहा कि एक साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर वैश्विक मंच पर छा जाना उनकी असाधारण क्षमता को दर्शाता है। आर्थिक मोर्चे पर भी लेख में मोदी सरकार की उपलब्धियों का लोहा माना गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में लगभग 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो कई विकसित देशों और चीन से भी तेज है। अनुमान जताया गया है कि यदि यही गति बनी रही तो वर्ष 2050 तक भारत विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके साथ ही ग्रीन एनर्जी, विशेषकर सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के तीसरे स्थान पर पहुंचने की सराहना करते हुए इसे विकास और पर्यावरण के संतुलन का एक बेहतरीन मॉडल बताया गया है।

चीन में ट्रंप का जोरदार स्वागत, सैन्य बैंड ने अमेरिका-चीन का राष्ट्रगान बजाया

दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में करीब एक घंटे हुई बातचीत

बीजिंग। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौरे का आज पहला दिन रहा। सुबह ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ट्रंप का स्वागत किया। रेड कार्पेट पर दोनों नेता साथ खड़े नजर आए, जहां सैन्य बैंड ने पहले अमेरिका और फिर चीन का राष्ट्रगान बजाया। इस दौरान दर्जनों बच्चे हाथों में झंडे और फूल लेकर स्वागत करते नजर आए, जिससे पूरे समारोह का माहौल खास बन गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वागत के बाद दोनों नेता रेड कार्पेट वाली सीढ़ियां चढ़ते हुए ग्रेट हॉल के अंदर पहुंचे, जहां द्विपक्षीय बातचीत का दौर शुरू हुआ। बैठक में ट्रंप के साथ उनकी पूरी टीम मौजूद थी, जिसमें विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जैमीसन ग्रीयर और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट शामिल हैं।

ट्रंप को रिसीव करने नहीं पहुंचे जिनपिंग, ओबामा का किया था एयरपोर्ट पर वेलकम

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को चीन पहुंचे। बीजिंग कैपिटल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। यहां चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग ने उन्हें रिसीव किया। यह स्वागत साफ तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की पिछली 2017 यात्रा के मुकाबले ज्यादा हाई-प्रोफाइल माना जा रहा है। उस समय जहां एक स्टेट काउंसिलर स्तर के नेता ने उनका स्वागत किया था, वहीं इस बार उपराष्ट्रपति का एयरपोर्ट पर जाना अहम कूटनीतिक संकेत माना जा रहा है हालांकि इस पूरे स्वागत में एक चीज ने सबका ध्यान खींचा।

ट्रंप के दावों के उलट ईरान की सैन्य शक्ति बरकरार

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन दावों पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जिनमें वे ईरान की सैन्य ताकत को लगभग खत्म बता रहे थे। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक गुप्त रिपोर्ट (सीक्रेट असेसमेंट) में खुलासा हुआ है कि ईरान अब भी अपनी अधिकांश मिसाइल साइट्स और सैन्य ढांचे पर नियंत्रण बनाए हुए है। वहीं फिलहाल व्हाइट हाउस इन रिपोर्ट्स को भ्रामक बता रहा है, लेकिन खुफिया आंकड़ों ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान अब भी पूरी तरह कमजोर नहीं पड़ा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर अमेरिकी हितों के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित ईरान की 33 मिसाइल साइट्स में से 30 अब भी सक्रिय या आंशिक रूप से कार्य कर रही हैं। यह वही क्षेत्र है जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। खुफिया रिपोर्ट यह भी बताती है कि ईरान अपने 70 प्रतिशत मोबाइल मिसाइल लॉन्चर और लगभग 70 प्रतिशत प्री-वॉर मिसाइल स्टॉक को सुरक्षित रखने में सफल रहा है। इनमें वे बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल हैं, जो पूरे मध्य पूर्व को निशाना बनाने में सक्षम हैं। इसके अलावा, ईरान के 90 प्रतिशत अंडरग्राउंड मिसाइल स्टोरेज और लॉन्च फैसिलिटी फिर से ऑपरेशनल मानी जा रही हैं।

ट्रंप प्रशासन के दावों और हकीकत में अंतर

यह रिपोर्ट राष्ट्रपति ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बयानों के ठीक विपरीत है।

मार्च में ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान की जल, थल और नभ सेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि हमलों के दौरान बंकर-बस्टर हथियारों की सीमित संख्या के कारण कई भूमिगत ठिकानों के केवल प्रवेश द्वार बंद किए गए थे, जिससे ईरान का मुख्य ढांचा बच गया।

बांग्लादेश का गंगा प्रोजेक्ट, बढ़ाएगा भारत की मुश्किलें?

गंगा नदी पर 2.1 किमी लंबा बैराज बना रहा ढाका

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने देश के गहराते जल संकट को दूर करने के लिए 2.8 अरब डॉलर की एक विशाल नदी परियोजना को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इस ऐतिहासिक कदम का मुख्य उद्देश्य पद्मा नदी (गंगा का विस्तार) पर 2.1 किलोमीटर लंबा बैराज बनाना है, जिसकी जल भंडारण क्षमता 2.9 अरब घन मीटर होगी। बांग्लादेश लंबे समय से अपने जल संकट के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता रहा है और अब इस संकट के समाधान के लिए उसने चीन की ओर हाथ बढ़ाया है, जिससे दक्षिण एशिया के समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं।

फरवरी 2026 में हुए आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार ने तीस्ता नदी प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना के लिए चीन से तकनीकी और वित्तीय सहयोग मांगा है। हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की, जहां चीन ने इस परियोजना के लिए 1 अरब डॉलर की मदद देने और इसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत लागू करने का आश्वासन दिया। चीन की यह सक्रियता भारत के लिए सुरक्षा और भू-राजनीतिक दृष्टि से ब?ी चुनौती मानी जा रही है। तीस्ता नदी परियोजना स्थल भारत के रणनीतिक रूप से संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) से मात्र 100-130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। 20-22 किलोमीटर चौड़ा यह संकरा गलियारा भारत की मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को डर है कि इस परियोजना के बहाने चीन की इस क्षेत्र में भौतिक उपस्थिति बढ़ेगी, जिससे वह भारत के अहम चोकपॉइंट पर खुफिया निगरानी और सामरिक दबाव बनाने में सक्षम हो सकता है।इस परियोजना के तहत तीस्ता नदी की चौ?ाई कम कर गहराई ब?ाई जाएगी और तटबंधों का निर्माण कर 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को कृषि व औद्योगिक उपयोग के लिए विकसित किया जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल बंटवारे का मुद्दा 2011 से लंबित है। भारत ने स्वयं इस क्षेत्र में तकनीकी सहायता का प्रस्ताव दिया था, लेकिन नई बांग्लादेशी सरकार का चीन की ओर झुकाव स्पष्ट दिख रहा है। चूंकि 1996 की गंगा जल संधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने वाली है, विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश इस मुद्दे पर चीन को शामिल कर भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाने की रणनीति अपना रहा है।

जासूसी मिशन के दौरान समुद्र में समाया दुनिया का सबसे बड़ा प्लेन

बिना एक बूंद ईंधन के पूरी दुनिया का चक्कर लगाने का रिकॉर्ड

वॉशिंगटन। बिना एक बूंद ईंधन के पूरी दुनिया का चक्कर लगाकर इतिहास रचने वाले सौर ऊर्जा संचालित विमान सोलर इम्पल्स 2 का सफर अब हमेशा के लिए खत्म हो गया है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 4 मई को एक ऑटोनोमस (मानवरहित) उड़ान के दौरान बिजली की आपूर्ति ठप होने के कारण यह विमान मैक्सिको की खाड़ी में गिरकर नष्ट हो गया। कभी शांति और टिकाऊ ऊर्जा का प्रतीक माना जाने वाला यह विमान अब समुद्र की गहराइयों में दफन हो चुका है।

स्विस इंजीनियरों बर्टेंड पकार्ड और आंद्रे बोर्शबर्ग द्वारा निर्मित इस इंजीनियरिंग चमत्कार ने 2016 में पूरी दुनिया को तब हैरान कर दिया था, जब इसने केवल सूर्य की शक्ति के सहारे वैश्विक यात्रा पूरी की थी। हालांकि, इसका अंत काफी विवादास्पद रहा। साल 2019 में इसे स्काईड्वेलर एयरो नामक एक स्पेनिश-अमेरिकी कंपनी को बेच दिया गया था। नई कंपनी ने इस ऐतिहासिक विमान के उद्देश्य को पूरी तरह बदल दिया। इसे एक सैन्य निगरानी मशीन (मिलिट्री सर्विलांस ड्रोन) में तब्दील कर दिया गया, जिसमें रडार, जासूसी ऑप्टिक्स और फोन टैपिंग जैसे उपकरण लगाए गए थे।हादसे वाली रात यह विमान मिसिसिपी के स्टेनिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक मानवरहित परीक्षण उड़ान पर था। कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित इस उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी के कारण विमान ने अपनी शक्ति खो दी और सीधे समुद्र में जा गिरा। विमान में कोई पायलट सवार नहीं था, इसलिए किसी भी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई। सोलर इम्पल्स 2 की विशेषताएं अद्वितीय थीं; इसका विंगस्पैन (पंखों का विस्तार) 232 फीट था, जो बोइंग 747 से भी बड़ा था, जबकि कार्बन फाइबर के उपयोग के कारण इसका वजन केवल 5,100 पाउंड था। इसके पंखों पर लगे 17,248 सौर सेल इसे 39,000 फीट की ऊंचाई तक उ?ने की शक्ति देते थे। विमान के मूल निर्माताओं ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मां और बेटी दोनों के बच्चों का पिता बना युवक, छिडा विवाद

लंदन। हाल ही में सामने आये एक मामला ने लोगों को हैरान कर दिया है। लंदन में एक युवक ने मां और बेटी दोनों से संबंध बनाए और दोनों महिलाएं मां भी बन चुकी है। ये तीनों एक साथ रह रहे हैं। यह मामला प्रकाश में आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला बता रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग इसे नैतिक मूल्यों के खिलाफ मान रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब बेटी ने उस शख्स से शादी की। शादी के कुछ समय बाद बेटी को महसूस हुआ कि उसकी मां अकेलेपन का सामना कर रही हैं। इसी वजह से उसने अपने पति को अपनी मां के करीब आने और उनके साथ समय बिताने की सलाह दी। शुरुआत में यह रिश्ता केवल दोस्ती तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं और रिश्ता शारीरिक संबंध तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि बाद में शख्स मां और बेटी दोनों के साथ रहने लगा। समय के साथ दोनों महिलाएं गर्भवती हुईं और अब दोनों बच्चों की मां बन चुकी हैं। फिलहाल तीनों एक ही घर में रह रहे हैं और शख्स दोनों महिलाओं तथा बच्चों की देखभाल कर रहा है। हालांकि यह मामला सामने आने के बाद समाज में इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल हो रही है। बड़ी संख्या में लोगों ने इस रिश्ते को लेकर नाराजगी जाहिर की है। कई यूजर्स ने इसे +अस्वीकार्य+ और +नैतिक पतन÷ करार दिया है।

इजरायल-यूएई के बीच गुप्त बैठक के दावे पर छिड़ा विवाद

अमीरात ने कड़ाई से किया खंडन

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल युद्ध के बीच एक नई कूटनीतिक हलचल ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने दावा किया कि युद्ध के दौरान उनकी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के साथ एक गुप्त बैठक हुई थी। हालांकि, यूएई ने इस दावे को पूरी तरह निराधार बताते हुए इसका सख्त लहजे में खंडन किया है।

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने 26 मार्च को गुप्त रूप से यूएई के अल ऐन शहर का दौरा किया था। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और ईरान के साथ जारी संघर्ष पर घंटों रणनीतिक चर्चा हुई। इजरायल ने इसे रिश्तों में एक ऐतिहासिक सफलता के रूप में पेश किया।

इजरायल के इस दावे के तुरंत बाद यूएई के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर इसे खारिज कर दिया। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इजरायली प्रधानमंत्री की किसी भी गुप्त बैठक या यात्रा की खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। यूएई ने जोर देकर कहा कि उसके इजरायल के साथ रिश्ते खुले और आधिकारिक हैं, न कि किसी गैर-पारदर्शी व्यवस्था पर आधारित। यूएई ने चेतावनी दी कि उसकी संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक घोषणा के बिना ऐसे दावों को स्वीकार न किया जाए।

इस कूटनीतिक विवाद के बावजूद, कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स इशारा करती हैं कि पर्दे के पीछे दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग ब?ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेडी बरनेआ ने युद्ध के दौरान कई बार यूएई का दौरा किया था। इजरायल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने भी एक चौंकाने वाला दावा किया कि ईरान के हमलों के दौरान इजरायल ने अपना आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम और सैन्य कर्मी यूएई की सुरक्षा के लिए वहां भेजे थे।

रंगसंसार

महाकाल की भक्ति में लीन दिखीं तमन्ना

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने बाबा महाकाल की प्रसिद्ध भस्म आरती में हिस्सा लिया। सुबह करीब तीन बजे मंदिर पहुंचीं तमन्ना पूरी श्रद्धा और भक्ति में डूबी नजर आईं। माथे पर त्रिपुंड और चंदन लगाए अभिनेत्री ने नंदी हॉल में बैठकर आरती का दिव्य दर्शन किया। करीब दो घंटे तक चली भस्म आरती के दौरान तमन्ना पूरी तरह आध्यात्मिक माहौल में लीन दिखाई दीं। आरती के बाद उन्होंने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना भी कही। इसके बाद उन्होंने चांदी द्वार से भगवान महाकाल को जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच अभिनेत्री की एक झलक पाने को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। भस्म आरती के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए तमन्ना ने कहा कि महाकाल का बुलावा मिलने पर ही भक्त यहां पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर उन्हें अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। अभिनेत्री ने कहा कि हजारों श्रद्धालुओं के साथ एक साथ बैठकर आरती देखने का अनुभव बेहद दिव्य होता है। तमन्ना का यह आध्यात्मिक रूप सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है। फैंस उनकी सादगी और भक्ति भाव की तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

बॉलीवुड सितारों का गोल्ड कलेक्शन चर्चा में

देश में सोने की कीमतों और निवेश को लेकर चर्चा के बीच अब बॉलीवुड सितारों का गोल्ड कलेक्शन भी सुर्खियों में आ गया है। लोग जानना चाहते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारों के पास आखिर कितना सोना और हीरे-जवाहरात हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के पास करोड़ों रुपये के गहने मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ बच्चन और जया बच्चन का नाम इस सूची में सबसे ऊपर आता है। बताया जाता है कि जया बच्चन के पास करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा के हीरे और सोने के गहने हैं, जबकि अमिताभ बच्चन के पास भी करोड़ों रुपये की ज्वेलरी मौजूद है। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत को पारंपरिक आभूषणों का काफी शौक है। चुनावी हलफनामे के अनुसार उनके पास कई किलो सोना, भारी मात्रा में चांदी और करोड़ों रुपये के हीरे हैं। वहीं अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी के पास भी बड़ी मात्रा में सोना और चांदी होने की जानकारी सामने आ चुकी है। साउथ सुपरस्टार थलापति विजय का नाम भी इस सूची में शामिल है। रिपोर्ट्स के अनुसार उनके पास करोड़ों रुपये कीमत का सोना मौजूद है। सोशल मीडिया पर इन सितारों के गोल्ड कलेक्शन को लेकर काफी चर्चा हो रही है। हालांकि इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि अलग-अलग दस्तावेजों और रिपोर्ट्स पर आधारित बताई जा रही है।

अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

मुंबई (ईएमएस)। ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म ‘द पोर्टल ऑफ फोर्सज्’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है।

यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। ‘स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्सज्’ नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

क्या कमाल हैज् को लेकर चर्चा में शरवरी वाघ

अपनी आगामी फिल्म ‘क्या कमाल हैज्’ को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म का नया रोमांटिक गीत ‘मस्काराज्’ रिलीज हुआ है, जिसने दर्शकों के बीच खास जगह बना ली है। इस गाने में शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड अभिनेत्रियों के रोमांस की याद दिला रहा है अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिनेत्री ने इस गाने की शूटिंग के दौरान के कुछ खास बीटीएस पल साझा किए। अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने लिखा कि शूटिंग के दौरान वह और इम्तियाज अली एक खास एहसास को ‘किस-मिस याराज्’ कहा करते थे। शरवरी के अनुसार यह एक मजेदार शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने पर महसूस होने वाली मीठी, हल्की और गुदगुदाने वाली भावना को दर्शाता है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार ‘जियाज्’ कई बार इसी तरह के भावनात्मक और मासूम एहसासों से गुजरता है। उन्होंने कहा कि गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने यह भी बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा। उन्होंने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अभिनय की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनके बारे में वह पहले खुद भी नहीं जानती थीं। शरवरी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्होंने इम्तियाज अली को देखकर भावनाओं को समझने और कहानी कहने की कला के बारे में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने निर्देशक का आभार जताते हुए कहा कि उन पर भरोसा करने और हर कदम पर मार्गदर्शन देने के लिए वह हमेशा उनकी शुक्रगुजार रहेंगी।

पेड्डी के ट्रेलर ने बढ़ाया जबरदस्त उत्साह

दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म ‘पेड्डीज्’ को लेकर दर्शकों का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। लंबे समय से चर्चा में बनी इस फिल्म का ट्रेलर 18 मई को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए राम चरण का नया पोस्टर भी साझा किया है, जिसने फैंस के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। पोस्टर में राम चरण देहाती अंदाज में रेलवे ट्रैक पर चलते नजर आ रहे हैं। उनका रफ-टफ लुक और दमदार बॉडी लैंग्वेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फिल्म का निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं और इसे भारतीय सिनेमा की बड़ी फिल्मों में गिना जा रहा है। ‘पेड्डीज्’ में राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसके पोस्टर, टीजर और म्यूजिक अपडेट्स को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। हर नए अपडेट के साथ फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। मेकर्स ने जानकारी दी है कि फिल्म का ग्रैंड प्रीमियर 3 जून 2026 को आयोजित किया जाएगा, जबकि दुनियाभर के सिनेमाघरों में यह 4 जून 2026 को रिलीज होगी। रिलीज से पहले ही फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है।

कान्स में आलिया भट्ट का शाही अंदाज

कान्स फिल्म फेस्टिवल से अभिनेत्री आलिया भट्ट की पहली झलक सामने आते ही सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो गईं। आलिया ने इस खास मौके पर हल्के हरे रंग का फ्लोरल कॉर्सेट गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस जैसी नजर आईं। उनका यह फ्रेश और एलिगेंट लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। मां बनने के बाद यह आलिया भट्ट का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय इवेंट है। फ्लोरल गाउन में उनकी खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई। उन्होंने अपने लुक को बेहद सिंपल और क्लासी रखा। हाई बन हेयरस्टाइल, हल्का मेकअप और बिना किसी भारी ज्वेलरी के आलिया ने सादगी भरे अंदाज में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनके चेहरे की चमक और आत्मविश्वास ने फैंस को खासा प्रभावित किया। जैसे ही आलिया की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, फैंस ने उनकी जमकर तारीफ शुरू कर दी। कोई उन्हें ‘डिज्नी प्रिंसेसज्’ बता रहा है तो कोई ‘परीज्’ कहकर उनकी खूबसूरती की सराहना कर रहा है। कान्स फिल्म फेस्टिवल में आलिया का यह अंदाज फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है।...............................

दैनिक पंचांग

15 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.23 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	07.21 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.34 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.03 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.13 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.28 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.49 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कुंभ	00.36 बजे से
		मीन	02.08 बजे से
		मेष	03.39 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 135 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 08.32 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 05.12 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 20.15 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 14.21 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 08.32 बजे, विष्टि 18.55 बजे तदनन्तर शकुनि 05.12 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872710 **जूलियन दिन** 2461175.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, विश्व परिवार दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बंगाल चुनाव याचिकाओं पर तारीख पर तारीख?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव परिणाम आ गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा नहीं दिया है। वह चुनाव परिणाम को स्वीकार नहीं कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के मामले में सुनवाई के दौरान बहुत सारी बातें सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने की थी। अब टीएमसी की ओर से सुप्रीम कोर्ट की ओर से

वही बातें कही जा रही हैं। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट उनसे कह रही है। नई याचिकाएं लगाएं।एक बार फिर तारीख पर तारीख का खेल शुरू हो गया है। जिस पार्टी की जीत हुई है।उसका मुख्यमंत्री बन गया है। शपथ भी ले ली है। अब तारीख पर तारीख का खेल चलता रहेगा।

एसआईआर का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। संवैधानिक है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट अभी तक चुप है। इसी को कहते हैं जो जीता वही सिकंदर,जीत कैसी भी हो जीत आखिर जीत ही होती है। भाग्य के सामने सभी बेबस हैं।

शेयर बाजार धडाम धणाम धणाम

कहते हैं जब मुसीबत आती है। छप्पर फाड़कर आती है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट हो रही है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश निकाल कर भाग रहे हैं। भारत को जब सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा की जरूरत है।उस समय शेयर बाजार में कोहराम मचा हुआ है। सोमवार और मंगलवार को भारी गिरावट शेयर बाजार में देखने को मिली एक ही झटके में लाखों करोड़ का नुकसान देसी निवेशकों हो गया। कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। रसोई गैस और कच्चे तेल का आयात रुका हुआ है।

दवा में कोताही सेहत से खिलवाड़

सेहत

दर्दनिवारक दवाओं का प्रचलन इन दिनों काफी बढ़ गया है। बदन दर्द, सिर दर्द या पेट में दर्द होने पर अक्सर लोग चिकित्सक की सलाह लिए बिना दर्दनिवारक दवा खरीद कर खा लेते हैं। मगर चिकित्सक से राय लिए बिना इस तरह की दवाइयां लेना न केवल सेहत से खिलवाड़ है, बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकती हैं।

दवा की जरूरत

कुछ दर्द तो थोड़े समय बाद स्वतः ही कम हो जाते हैं। सामान्य सिर दर्द और बदन दर्द में दवा लेने से बचना चाहिए। ध्यान रखने की बात है कि कई दर्दनिवारक इतने प्रभावी होते हैं कि ये हमारे तंत्रिका तंत्र में तंत्रिका के माध्यम से भेजे जाने वाले संकेत में हस्तक्षेप करते हैं। यह तंत्रिका संकेत ही है, जिससे हमें दर्द का पता चलता है। ज्यादातर दर्दनिवारक मस्तिष्क के कुछ खास हिस्से को प्रभावित करते हैं। इसलिए मामूली दर्द में इन दवाओं को न लेना ही अच्छा है, क्योंकि दर्द की असल वजह क्या है, इसका अनुमान मरीज खुद नहीं लगा सकता।

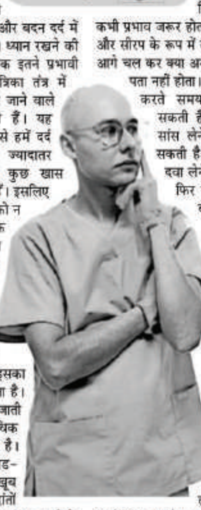

परहेज की जरूरत

पिछले कुछ वर्षों में 'पैरासिटामोल' दवा का इस्तेमाल बढ़ गया है। इसका प्रतिकूल असर कम ही होता है। यह आसानी से मिल भी जाती है। मगर अब इसका अधिक इस्तेमाल चिंता का विषय है। इसी तरह गैर 'स्टेरायड-एंफ्लेमेटरी' दवाइयां भी खूब बिक रही हैं। इसे सिरदर्द, दांतों का दर्द, गठिया दर्द और मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द में भी लिया जाने लगा है। हालांकि इसकी अच्छी बात यह है कि यह सूजन को रोकती है और इसमें स्टेरायड नहीं होता। इबुप्रोफेन और एस्प्रिन ऐसी ही दवाएं हैं, जिन्हें लोग सहजता से खरीद लेते हैं। इसके अलावा कुछ मिश्रित दवाएं भी आ गई हैं, जिनमें एक से अधिक दवाओं का मिश्रण होता है। मगर ऐसी दवाओं से अपच, कब्ज और तंद्रा जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। इसलिए इनसे बचना चाहिए।

दर्दनिवारक का प्रभाव

शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द को कम करने के लिए कई प्रकार की दवाइयां मिलने लगी हैं। मगर मर्ज को जाने बिना लगातार दर्दनिवारक दवाइयां लेना जोखिम भरा भी हो सकता है। सामान्य रूप से इन दवाओं का यकृत और गुर्दे पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पेट संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। इसका असर हृदय तक होता है। वैसे तो इन दवाओं का नकारात्मक असर जल्दी नहीं दिखता, पर कभी न कभी प्रभाव जरूर होता है। कैप्सूल-टैबलेट और सीरप के रूप में ली जा रहीं ये दवाइयां आगे चल कर क्या असर डालेंगी, किसी को पता नहीं होता। कुछ लोगों को पेशाब करते समय कोई समस्या हो सकती है। सीने में दर्द और सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में दर्दनिवारक दवा लेने से बचना चाहिए या फिर कम से कम लेना ही बेहतर।

सतर्कता जरूरी

कोई भी दर्दनिवारक दवा लेने से पहले सतर्क रहें। खासकर उनको सजग रहना चाहिए, जिन्हें गुर्दे और यकृत में कोई दिक्कत है। न केवल गर्भवती, बल्कि स्तनपान करा रहीं महिलाओं को भी दर्दनिवारक दवा लेने से बचना चाहिए। जिन्हें दिल का दौरा पड़ा हो, उनको भी इससे परहेज करना चाहिए। हृदय और रक्त संचार की समस्या होने पर चिकित्सक की सलाह के बिना दर्दनिवारक लेना जोखिम भरा हो सकता है। इसी तरह चिकित्सक से राय लिए बिना बच्चों को दर्द निवारक नहीं देना चाहिए। अगर किसी की पहले से दवाएं चल रही हों, तो दर्दनिवारक दवाइयां नुकसान पहुंचा सकती हैं।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें।)

संबंधों में धुंधली पड़ती आत्मीयता

जीवन शैली

आज के तकनीकी दौर में रिश्तों में आत्मीयता का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। इसके लिए भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यक्तिवाद, सूचनाओं की भरमार और बदलते सामाजिक मूल्य भी जिम्मेदार हैं। यह एक ऐसी समस्या है, जो लोगों को न केवल शारीरिक, बल्कि भावनात्मक रूप से भी दूर कर रही है। अत्यधिक महत्त्वाकांक्षा और काम की व्यस्तता के कारण लोग अक्सर एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। आभासी दुनिया में सक्रियता ने वास्तविक बातचीत को कम कर दिया है, जिससे रिश्तों में औपचारिकता आ गई है। संबंधों में गहराई की जगह अब जरूरत, स्वार्थ और दिखावे ने ले ली है। अगर किसी रिश्तेदार या दोस्त से निजी हित हल होते दिख रहा हो, तो उसके साथ निकटता का दिखावा किया जाता है और जिनसे कोई काम नहीं होता, उन्हें हाशिये पर डाल दिया जाता है।

स्वार्थ की अपेक्षाएं

जब रिश्तों में त्याग की भावना कम और स्वार्थ या अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं, तो आत्मीयता कम होने लगती है। रिश्तों का आत्मिक होना कोई स्वायत्त प्रणाली नहीं है, इसके लिए एक-दूसरे से स्नेह, भावनाओं का सम्मान, आपसी समझ, सुख-दुख में साथ देना और परस्पर भरोसे की नींव तैयार करनी पड़ती है। समय के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आता रहता है, लेकिन छोटी-छोटी समस्याओं को सुलझाने के बजाय उन्हें वाद-विवाद से इतना बड़ा कर दिया जाता है कि रिश्तों में दरार पैदा हो जाती है। स्वार्थपन रिश्तों पर हावी होता नजर आ रहा है, जब जरूरत हो, तो संबंधों पर जमी धूल को झाड़-पोंछ कर उसे नया रूप देने की कोशिश की जाती है और जब काम निकल गया तो उसे बेकार की वस्तु मानकर किसी कोने में फेंक दिया जाता है।

संवादहीनता का सिलसिला

एक समय था जब किसी परिवार में विवाह, पूजा-पाठ या कोई अन्य समारोह होता था, तो सभी रिश्तेदारों को घर-घर जाकर न्योता दिया जाता था। इससे संबंधों में आत्मीयता झलकती थी। मगर आज के तकनीकी दौर में फोन या ई-मेल पर या फिर सोशल मीडिया के जरिए इस तरह के न्योते दिए जाते थे, जिनमें अपनापन कम और औपचारिकता ज्यादा दिखती है। यानी संवाद की जगह अब डिजिटल स्क्रीन ने ले ली है, जिससे संबंधों में भावनात्मक दूरियां पैदा हो रही हैं। काम की व्यस्तता और अपनों की उपेक्षा की बढ़ती प्रवृत्ति से हम रिश्तों के मायने एवं महत्त्व को भूलते जा रहे हैं।

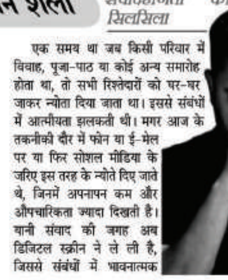

> ***किसी भी रिश्ते में सम्मान और भावनाओं का प्रभावी संचार बेहद जरूरी होता है, जब इसे सचेतन रूप से किया जाए तो इसका महत्त्व और भी बढ़ जाता है।***

प्रभावी संचार

किसी भी रिश्ते में सम्मान और भावनाओं का प्रभावी संचार बेहद जरूरी होता है, जब इसे सचेतन रूप से किया जाए, तो इसका महत्त्व और भी बढ़ जाता है। सचेतन संचार का अर्थ है कि दूसरों की बात सुनने और खुद की अभिव्यक्ति के दौरान मानसिक रूप से पूरी तरह से उपस्थित रहना। अच्छे कार्यों की सराहना करना और गलत होने पर उपयोगी नसीहत देना जरूरी है। अपनी भावनाओं, जरूरतों और चिंताओं को खुले तौर पर साझा किया जाना चाहिए। इसके लिए बिना किसी पूर्वाग्रह के नियमित संवाद और व्यवहार में ईमानदारी की जरूरत होती है। इससे परस्पर विश्वास और समझ का निर्माण होता है, जो रिश्तों को आत्मिक बनाने में मदद करता है।

नए अंदाज में मजेदार जायका

रसोई

खोया पनीर

पनीर तो कई तरह से बनाया जाता है, लेकिन खोया पनीर की बात ही कुछ अलग है। खोया और विभिन्न मसालों के संयोजन से इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। इसे बनाना आसान है और इसमें ज्यादा वक्त भी नहीं लगता। खासकर बच्चों को यह बहुत पसंद आता है और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

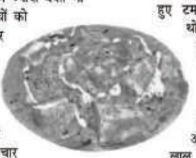

सामग्री

पनीरः 250 ग्राम, देसी घीः दो चम्मच, खोयाः तीन-चार चम्मच, जीराः एक चम्मच, तेज पत्ताः एक, लौंगः तीन, कसूरी मेथीः एक चम्मच, प्याजः एक, टमाटरः दो-तीन, अदरक और लहसुन का पेस्टः दो चम्मच, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडरः एक चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

पनीर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर अदरक और लहसुन का पेस्ट तैयार करें। इसके बाद एक कड़ाही में देसी घी गरम करें और उसमें पनीर के टुकड़ों को सुनहरा रंग आने तक भूनें। अब कड़ाही में थोड़ा और घी गरम करके उसमें जीरा, दालचीनी, इलायची, लौंग और कसूरी मेथी डालकर सुगंधित होने तक भूनें। फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट उसमें डाल दें। सभी मसालों को चम्मच से अच्छी तरह मिलाने के बाद उसमें कटे हुए टमाटर और थोड़ा सा पानी डालें। इसे धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक टमाटर की गाढ़ी तरी न बन जाए। अब इसमें हल्दी, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला और नमक मिलाएं तथा करीब एक मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। फिर इसमें खोया डालें और तब तक पकाएं, जब तक वह किनारों से तेल छोड़ना शुरू न कर दे। फिर थोड़ा सा पानी डालें और भुना हुआ पनीर उसमें डाल दें। इसके बाद इसे ढक्कन लगाकर आठ-दस मिनट तक पकाएं। अंत में इसमें बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालें और गरमागरम रोटी, नान या चावल के साथ परोसें।

आलू राजमा मसाला

अधिकतर लोग आलू और राजमा के संयोजन से बने व्यंजन को पसंद करते हैं। मगर इसे थोड़ा अलग तरीके से बनाया जाए, तो इसका जायका और भी बेहतरीन हो जाता है। यानी आलू को राजमा के साथ सामान्य तरीके से पकाने के बजाय पहले इसे तेल में अच्छी तरह तल लिया जाए, तो इसका स्वाद मन को मोह लेता है।

सामग्री

राजमाः 200 ग्राम, आलूः चार-पांच, प्याजः एक, अदरकः एक इंच, लहसुनः पांच-छह कलियां, मिर्च पाउडरः एक चम्म्च, टमाटरः दो, धनिया पाउडरः डेढ़ चम्मच, जीराः एक चम्मच, तेज पत्ताः एक, गरम मसाला पाउडरः एक चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

राजमा को या तो चार-पांच घंटे तक भिगोने के लिए डाल दें या फिर कुकर में उबाल लें। इस बीच, आलू को धोकर उसे काट लें और फिर करीब बीस मिनट तक ढक कर रख दें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करें और उसमें आलू के टुकड़े डालकर सुनहरा रंग आने तक भूनें। फिर इन्हें निकालकर एक थाली में रख दें। अब उसी कड़ाही में देसी घी गरम करें और उसमें धनिया बीज, जीरा और मेथी दाना भून लें। फिर इसमें बारीक कटा हुआ लहसुन और अदरक के साथ तेज पत्ता डालें। इसे हल्का भूनने के बाद इसमें कटे हुए टमाटर डाल दें और इन्हें तब तक पकाएं, जब ये पूरी तरह घुल जाएं। फिर इसमें उबले हुए राजमा डाल दें, साथ ही धनिया पाउडर, गरम मसाला, हल्दी और मिर्च पाउडर भी मिला दें। इसे ढक्कन लगाकर आठ-दस मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसमें तेल हुए आलू के टुकड़े डाल दें और नमक के साथ जरूरत के मुताबिक पानी डाल दें। अब इसे ढक्कन लगाकर धीमी आंच पर दस-बारह मिनट तक पकाएं। इसे बीच-बीच में चम्मच से चलाते रहें। अंत में इसमें कसूरी मेथी और बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालें और गरमागरम रोटी या चावल के साथ परोसें।

आईपीएल में पिछले छह सत्र से असफल रहे हैं शाहरुख

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी रहे जो हर सत्र में असफल होने के बाद भी करोड़ों की कमाई करने में सफल रहे हैं। ऐसे ही एक खिलाड़ी है। तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहरुख खान। पिछली छह आईपीएल सत्र में शाहरुख ने अलग-अलग फ्रैंचाइजियों की ओर से खेला है पर एक बार भी वह सफल नहीं हुए हैं। इस प्रकार देखा जाये तो पिछले छह सालों में फ्रेंचाइजी टीमों ने इस खिलाड़ी पर 38 करोड़ रुपये से अधिक लुटा दिये हैं पर परिणाम शून्य रहा है। बल्ले और गेंद से उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है।

मनीष पांडे ने पकड़ा असंभव सा कैच, विराट भी हुए हैरान

रायपुर। विराट कोहली की शानदार शतकीय पारी से आईपीएल के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में हालांकि आकर्षण का केन्द्र केकेआर के मनीष पांडे रहे। मनीष ने एक असंभव सा कैच पकड़ा जिसकी विराट ने भी प्रशंसा की है। कैच को देखकर विराट भी हैरान नजर आये। वहीं प्रशंसक भी इस असंभव से कैच को देखकर दंग रह गये। यह मामला 18वें ओवर का है। तब केकेआर के गेंदबाज कार्तिक त्यागी की गेंद पर आरसीबी के टिम डेविड ने एक तेज शॉट लगाया।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें। इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है। नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा। नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे। इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है।

सीएसके के तेज गेंदबाज ओवरटन चोटिल होकर बाहर हुए

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही अपने खिलाड़ियों की खराब फिटनेस से परेशान सीएसके का एक और खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो गया है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन भी जांघ में खिंचाव के बाद स्वदेश लौट गए है। फ्रेंचाइजी ने ये जानकार सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मीदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी नजर आयी है।

उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही है। गेंदबाजी में केवल युवा प्रिंस यादव ही प्रभावित कर पाये हैं। अन्य गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। यहां तक की अनुभवी मोहम्मद शमी भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, अक्षत रघुवंशी, हिम्मत सिंह, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आवेश खान

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान) संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मैट हेनरी/स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी

इम्पैक्ट प्लेयर- प्रशांत वीर

आरसीबी से हार के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उमीदें समाप्त हुईं

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 वें मुकाबले में हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंची की बची हुई संभावनाएं भी समाप्त हो गयी हैं। केकेआर अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर फिसल गयी है। अभी के हलातों को देखते हुए केकेआर की कोई संभावना नहीं बची है।

टीम ने अब तक खेले गए 11 मैचों में से चार जीते हैं और एक का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार उसके केवल 9 अंक हैं। वहीं लीग स्तर में अब उसे केवल तीन मैच खेलने हैं। वहीं प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कुल 16 अंकों की जरूरत होती है। केवल कुछ अवसरों पर ही 14 अंक में प्लेऑफ की संभावना बन सकती है पर ये तभी होगा जब शीर्ष चार टीमों में से कोई भी 16 अंक तक न पहुंचे। केकेआर अपने बचे हुए तीनों मैच जीत भी लेती है, तो उनके कुल अंक केवल 15 ही हो पाएंगे। यह आंकड़ा प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कई अन्य टीमों के संभावित अंकों से काफी कम है।

केकेआर के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंक तालिका में उनसे ऊपर मौजूद टीमों का प्रदर्शन है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के पहले ही 16-16 अंक हो गये हैं। इनके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों में 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसे अभी दो मैच खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर वह 18 अंकों तक पहुंच सकती है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उसके पास तीन मैच बचे हैं, जिससे वह 19 अंकों तक जा सकती है। इसी तरह, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में बनी हुई हैं। दोनों टीमों के पास 12-12 अंक हैं और उन्हें अभी तीन-तीन मैच खेलने हैं। ये दोनों टीमें भी अपने सभी बचे हुए मैच जीतकर 18 अंकों के आंकड़े तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी इस दौड़ में शामिल है पर उसे भी हर मैच जीतना होगा। इससे साफ है कि केकेआर, अपने अधिकतम 15 अंकों के साथ, इन प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच टिके नहीं रह सकती।

मेसी के अच्छे प्रदर्शन से इंटर मियामी ने सिनसिनाटी को 5-3 से हराया

सिनसिनाटी। कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल की सहायता से इंटर मियामी सीएफ ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हरा दिया। इस रोमांचक जीत के साथ ही इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती नौ मुकाबलों में सबसे अधिक क 22 अंक हासिल करने के एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की है।

इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। मियामी ने 24वें मिनट में मेसी के गोल से बढ़त हासिल की। यह इस सीजन में उनका 10वां गोल था। इसके बाद मेजबान एफसी सिनसिनाटी ने हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में पैनाल्टी कार्नर पर केविन डेन्की के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही सिनसिनाटी का प्रदर्शन अच्छा रहा। पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया पर मेसी ने 55वें मिनट में, डी पॉल के सटीक पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। यह इस सत्र में उनका 11वां गोल था, सिनसिनाटी ने 64वें मिनट में एवांडर के गोल से एक बार फिर 3-2 से बढ़त बना ली। इंटर मियामी ने इसके बाद जबरदस्त हमले करते हुए बचे हुए समय में गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया। मियामी की ओर से 84वें मिनट में जर्मन बर्टेराम ने गोल कर स्कोर 4-3 पर पहुंचा दिया।

थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सिंधु और सात्विक-चिराग

बैंकॉक। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु जीत के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु के अलावा पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल की ओर कदम बढ़ाया है।

महिला एकल में सिंधु ने डेनमार्क की शटलर अमाली शुल्ज को केवल 28 मिनट में 21-13, 21-15 से सीधे गेम में हरा दिया। यह इस टूर्नामेंट में सिंधु की लगातार दूसरी जीत थी। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना मौजूदा विश्व चैंपियन और जापान की शीर्ष खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा। सिंधु का जापानी खिलाड़ी के खिलाफ रिकार्ड 15-13 का है जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दूसरी ओर पुरुष युगल में, सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी ब्रायन जेरेमी गूनटिंग और मुहम्मद हाइकल को सीधे गेम में 21-12 और 21-19 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। । अब सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए, सात्विक और चिराग का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी से होगा। इस भारतीय जोड़ी ने पहले मुकाबले में भी इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरविनस्याह और बगास मौलाना के खिलाफ 21-19, 21-23, 21-10 से कड़े संघर्ष के बाद जीत दर्ज की थी।वहीं टूर्नामेंट में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। श्रीकांत ने अपने शुरुआती दौर में सिंगापुर के आठवें वरीय लोह कीन यू को 21-14, 21-15 के सीधे गेम में हराया था। इसके अलावा थॉमस कप में लगी चोट से वापसी कर रहे लक्ष्य सेन ने भी सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 43 मिनट में 21-16, 21-17 से हराकर टूर्नामेंट की जीत के साथ शुरुआत की है। महिला एकल में, देविका ने शुरुआती राउंड में जापान की एन. निदाइरा को हराया था, जबकि विश्व की 50वें नंबर की खिलाड़ी बंसोड़ ने भी झांग बेन यू (13-21, 26-24, 21-13) के खिलाफ एक उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया।केवल अनमोल खार्ब को हार का सामना करना पड़ा। अनमोल को विश्व नंबर 4 चेन यू फेई ने 21-19, 13-21, 18-21 से हराया।

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा।

फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है। इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के माध्यम से लगभग 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लाखों बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगा। बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही भी समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी। नोरा कनाडा के टोरंटो में स्थित बीएमओ फील्ड में 12 जून को होने वाले इस भव्य समारोह में गायन और नृत्य दोनों प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ कनाडा के दिग्गज कलाकार माइकल बुबले, अलानिस मोरिसेट और एलेसिया कारा सहित कई बड़े कलाकर भी मंच पर नजर आयेंगे।

सोफी की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। सोफी मोलिनक्स की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम अगले माह इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप में उतरेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को भी टीम में बनाये रखा है। इससे टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प मलिगा। हैमिल्टन पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी रही थीं। इस बार वह सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक होंगी। वहीं हैरानी की बात ये है कि सीए ने, तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को टीम में जगह नहीं दी है। ।

अनुभवी खिलाड़ियों में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी और बेथ मूनी शामिल है। सीए के अनुसार टीम को इन खिलाड़ियों के लंबे अनुभव से लाभ मिलेगा। वहीं वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रहीं ग्रेस हैरिस की भी टीम में वापसी हुई है। ऑलराउंड एनाबेल सदरलैंड की भी वापसी हुई है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए जानी जाती है और इस बार भी उसके पास कई अच्छी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी इकाई में कप्तान मोलिनक्स के अलावा मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी, निकोला कैरी और लूसी हैमिल्टन शामिल हैं। निकोला कैरी के लिए यह 2020 के बाद पहला टी20 विश्व कप होगा। वह तीन साल राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में वापसी करने में सफल रही थीं। वहीं 2009 से ही लगातार खेल रही। एलिस पेरी इस संस्करण में अपने 50 टी20 विश्व कप मैच पूरे करेंगी।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम के साथ रखा गया है। विल्सन ने मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय पदार्पण किया था। इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड जैसी टीमें हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपेन अभियान की शुरुआत 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

टीम- सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

वैभव को सही दिशा नहीं मिली तो वह टी20 में ही रह जाएगा : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा है कि आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी को अगर सही दिशा और मार्गदर्शन नहीं मिला तो वह केवल टी20 क्रिकेटर बनकर ही रह जायेंगे। डिविलियर्स के अनुसार वैभव में काफी क्षमताएं हैं पर आगे बढ़ने के लिए उसे अभी लंबा रास्ता तय करना होगा। वैभव ने इस आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 400 से अधिक रन बनाये हैं। डिविलियर्स ने स्वीकार किया कि वैभव में असाधारण प्रतिभा है पर इसके बाद भी उन्हें लगता है कि वह अन्य प्रारुपों विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में शायद ही टिक पाये। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि वह टिक पाएगा या नहीं। हम जानते हैं कि उसमें प्रतिभा है पर मैं उसे दूसरे प्रारुपों में भी देखना चाहूंगा। टेस्ट क्रिकेट में, उसे पता नहीं चलता कि आप किस चीज के लिए खेलने वाले हैं। डिविलियर्स का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट मानसिक और शारीरिक रूप से बिल्कुल अलग क्षेत्र है, जिसमें सफल होने के लिए एक खिलाड़ी को टी20 वाली मानसिक स्थिति से बाहर आना होता है। अभी 15 साल की उम्र में ही वैभव एक बड़े पोस्टर ब्वॉय बनकर उभरे हैं। इतनी कम उम्र में उन्होंने हर प्रारुप में पेशेवर स्तर पर क्रिकेट खेला है। अपनी लोकप्रियता में वह विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को भी टक्कर दे रहे हैं। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यूथ क्रिकेट में उन्होंने शतक लगाया है। इसके अलावा, आईपीएल में, जहां उन्होंने 20 से भी कम मैचों में तीन शतक लगाये हैं। वहीं आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए 400 से अधिक रन बनाये हैं। डिविलियर्स मानते हैं कि इतनी प्रतिभा होने के बाद भी वैभव के लिए आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा होगा। उन्होंने कहा, अगर वह एकदिवसीय विशेषकर टेस्ट क्रिकेट में खेलना शुरू करता है, तो वह मानसिक और शारीरिक रुप से खेल का एक बिल्कुल अलग क्षेत्र तलाश कर लेगा।-

विराट ने पहले रन पर जश्न और शतक पर शांत रहने का कारण बताया

रायपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में पहले रन पर जोश के साथ जश्न मनाया पर शतक के बाद वह शांत नजर आये। जिससे सभी हैरान हो गये। विराट ने हालांकि विराट ने इसका राज भी बताया।

दरअसल केकेआर के खिलाफ मैदान पर उतरने से पहले, विराट लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हो चुके थे, जिससे उन पर कुछ दबाव था। ऐसे में, जैसे ही उन्होंने अपना पहला रन बनाते ही वह उत्साहित दिखे। उन्होंने इस रन की खुशी भी मनायी। वहीं जब उन्होंने 60 गेंदों में 105 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए अपना शतक पूरा किया तो वह शांत नजर आये। इसको लेकर विराट का कहना था कि उनकी प्राथमिकता टीम को जीत दिलाना और दो महत्वपूर्ण अंक हासिल करना था। वह टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते थे। मैच के बाद, इस अविश्वसनीय प्रदर्शन के लिए विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

यह 21वीं बार था जब उन्हें यह सम्मान मिला, जिसके साथ ही उन्होंने मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पुरस्कार स्वीकार करते हुए, विराट कोहली ने अपनी सेलिब्रेशन रणनीति का राज खोला। उन्होंने कहा, शतक का सेलिब्रेशन ज्यादा बड़ा नहीं था, क्योंकि हमें पता है कि इन दो पॉइंट्स का कितना महत्व है।

विराट ऑरेंज कैप की दौर में तीसरे नंबर पर भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच हुए मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप दावेदारों में बदलाव आया है। केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर आरसीबी के विराट कोहली एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी आरसीबी के ही भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर पहुंच गये हैं।

विराट ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रनों की तेज पारी खेली। यह कोहली के आईपीएल करियर का नौवां शतक था, जिसने उन्हें ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, गेंदबाजी सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जिससे पर्पल कैप की दौड़ भी तेज हो गई है। विराट के अब इस सत्र की 12 पारियों में अब तक कुल 484 रन हो गये हैं। उन्होंने यह रन 165.75 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का दिखाते हैहै। इस पारी ने उन्हें सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान दिलाया है, जिससे ऑरेंज कैप जीतने की उनकी उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद रोमांचक हो गई है। विराट के आगे अब केवल दो बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, जिन्होंने 508 रन बनाए हैं, और गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन, जिनके खाते में 501 रन दर्ज हैं। वहीं चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रनों के साथ मौजूद हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 467 रनों के साथ दावेदारों में बने हुए हैं, जिससे आगामी मैच और भी दिलचस्प हो गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी रोमांचक हो गयी है। भुवनेश्वर केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद 22 विकेट लेकर नंबर एक पर पहुंच गये हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह /निकाह सम्मेलन में गूंजे मंगल गीत

सामूहिक विवाह में 186 नवयुगलों ने थामा एक-दूजे का हाथ

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिले के त्यौथर तहसील अन्तर्गत कृषि उपज चाकघाट मंडी प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह सम्मेलन में 184 नवयुगल जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार, सामाजिक रीति-रिवाज एवं पारंपरिक रस्मों के साथ परिणय सूत्र में बंध गए। विवाह समारोह में शहनाई की मधुर धुन और मंगल गीतों के बीच नवदंपत्तियों ने अपने नए जीवन की शुरुआत की। वहीं 2 निकाह के जोड़े भी सम्मिलित हुए। सम्मेलन में विभिन्न समाजों और समुदायों की भागीदारी ने सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि सांसद जनार्दन मिश्रा ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक विवाह आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ-साथ बेटियों के सम्मान को भी बढ़ावा देते हैं। सम्मेलन की विशेष बात यह रही कि रीवा जनपद पंचायत के जनपद पंचायत सदस्य रामानुज आदिवासी ने अपनी पुत्री का विवाह भी इसी सम्मेलन में संपन्न कराया। वहीं जनपद पंचायत सीईओ प्रवीण बंसोड एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अरविंद तिवारी ने सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए कन्यादान की रस्म निभाते हुए कन्यादान किया। सभी नवयुगल जोड़ों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। अलग-अलग काउंटर बनाकर पंजीयन और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया गया।

तकनीकी सहायकों को जनगणना कार्य का दिया गया प्रशिक्षण

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी पीके पांडेय ने उपस्थित तकनीकी सहायकों को जनगणना संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना में तकनीक के बढ़ते उपयोग को देखते हुए मोबाइल ऐप और डिजिटल पोर्टल के संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई है। मकानों की सूचीकरण और भौगोलिक क्षेत्रों के निर्धारण के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान बताए गए तकनीकी सहायकों की शंकाओं का समाधान किया गया। अपर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना के प्रत्येक चरण को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने सभी सहायकों को तत्परता से काम करने और अपने-अपने क्षेत्रों में डेटा की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला जनगणना अधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका अत्यंत अहम होती है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी तकनीकी सहायक प्रशिक्षण में बताई गई प्रक्रियाओं को गंभीरता से समझें तथा फील्ड में कार्य करते समय पूर्ण सावधानी एवं जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करें। इस अवसर पर जनगणना विभाग के संबंधित अधिकारी, जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस आज

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस 15 मई को मनाया जाता है। परिवार के महत्व को स्वीकार करने और लोगों को परिवार को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह वार्षिक उत्सव यह दर्शाता है कि वैश्विक समुदाय परिवारों को समाज की प्राथमिक इकाईयों के रूप में जोड़ता है। मध्यप्रदेश राज्य आनंदम संस्थान द्वारा परिवार दिवस पर जिलों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने इस दिवस पर परिवार के साथ तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड करने सहित सेवानिवृत परिवार के सदस्यों से उनके सेवाकाल के संस्मरण नई पीढ़ी के बच्चों को बताने सहित अन्य आयोजन के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि विद्यार्थी, गृहणी, व्यवसायी, बृद्ध, युवा वर्ग, काउंसलर, समाजसेवी, शिक्षाविद, विचारक आदि आयोजन में आनलाइन सहभागिता के माध्यम से अपने विचार व सुझाव शेयर कर सकते है। उन्होंने लोगों को सामाजिक न्याय के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान की जानकारी मीडिया के माध्यम से देने के निर्देश दिये हैं।

उप मुख्यमंत्री श्रीमद्भागवत कथा में हुए शामिल

रीवा (कीर्तिप्रभा) . उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ग्राम अमरैया दुआरी में नरेन्द्र शुक्ला के निवास में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्य सचिव की वीडियो कान्फ्रेंसिंग आज

रीवा (कीर्तिप्रभा) . मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन 15 मई को शाम 4.15 बजे से आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में समसामायिक विषयों की समीक्षा करेंगे। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी संबंधित अधिकारियों को कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी केन्द्र में वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष से शामिल होने के निर्देश दिए है।

सीवर लाइन निर्माण से क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल रेस्टोरेशन कराएं - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) . उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में कहा कि नगर निगम क्षेत्र में सीवर लाइन निर्माण और पेयजल व्यवस्था के कार्यों की विशेष निगरानी आवश्यक है। निर्माण एजेंसी सीवर लाइन निर्माण से क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल रेस्टोरेशन कराए। गुलाब नगर के समीप माडल रोड में सीवर लाइन का कार्य 10 दिनों में पूरा कराकर सड़क में सुधार का कार्य कराएं। शहर में बनाए गए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों को चालू कराकर सीवरेज लाइन से घरों को जोड़ें। आयुक्त नगर निगम निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करते हुए समय पर राशि जारी करें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत-2 योजना से शहर में पानी की 12 बड़ी टंकियों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 6 टंकियों का निर्माण कार्य 30 जून तक पूरा करा दें। टंकी का निर्माण कार्य पूरा होने के साथ-साथ घरों में कनेक्शन देने का कार्य भी तत्परता से कराएं। इनसे लगभग 5 हजार घरों में पानी की पर्याप्त आपूर्ति होने लगेगी। शहर में निर्माण कार्य के समय नगर निगम तथा अन्य विभाग समन्वय से कार्य करें जिससे पेयजल की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हो। किसी भी कारण से पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने पर तत्काल संबंधित निर्माण एजेंसी सुधार कराए। पानी की आपूर्ति में बाधा होने पर आमजनता को बहुत परेशानी होती है। पेयजल पाइपलाइन के लिए भी यदि कहीं सड़कें क्षतिग्रस्त की गई हैं तो तत्परता से सुधार कराएं। बैठक में निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि ने बताया कि शहर में सीवरेज निर्माण के लिए खोदी गई केवल चार किलोमीटर सड़क का रेस्टोरेशन शेष है। गुलाब नगर में माडल रोड में 80 मीटर की रोड 15 दिन में कार्य पूरा करके सुधारी जाएगी। तोपखाना तथा सीएमएचओ कार्यालय के समीप भी सड़क सुधार का कार्य स्वीकृत कराया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण डॉ. पंचूलाल प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन, श्री राजेश पाण्डेय तथा नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्रगणकों का किया आत्मीय स्वागत

जनता से सटीक जानकारी देने की कलेक्टर की अपील

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). जिले में जारी गणना अभियान के तहत एक सकारात्मक उदाहरण पेश करते हुए कलेक्टर संजय कुमार जैन ने अपने निवास पर पहुंचे प्रगणकों का उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने न केवल प्रगणकों का आत्मीय स्वागत किया, बल्कि स्वयं अपनी जानकारी भी दर्ज कराई। कलेक्टर ने अपने निवास पर आए गणना दल के सदस्यों का स्वागत करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रगणक राष्ट्र निर्माण और विकास योजनाओं के निर्धारण के लिए आधारभूत डेटा एकत्र करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों से उनकी कार्यप्रणाली और आ रही चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जब भी गणना के लिए प्रगणक आपके निवास पर आएं, तो उनका सहयोग करें। प्रशासन द्वारा मांगी गई सभी जानकारियाँ पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ उपलब्ध कराएं। आपका एक छोटा सा सहयोग जिले के भविष्य की योजनाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रगणकों के आने पर उन्हें सही जानकारी दें। शिक्षा, परिवार और अन्य आवश्यक डेटा सही-सही लिखवाएं। गलत जानकारी से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा आ सकती है। प्रशासन द्वारा जिले में जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए लगातार निगरानी एवं मार्गदर्शन किया जा रहा है। प्रगणकों ने कलेक्टर को अद्यतन स्थिति की जानकारी दी।

क्रमांक-44-380-एसपी शुक्ल-फोटो क्रमांक 01, 02 संलग्न

मछलीपालन के आवेदन 20 मई तक

रीवा मछलीपालन विभाग द्वारा मछलीपालक किसानों को आधुनिकतम तकनीक से मछलीपालन के लिए सहयोग दिया जा रहा है। बड़े जलाशयों में केज एक्वाकल्चर की स्थापना के लिए 20 मई तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में उप संचालक मछलीपालन डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अनुसार विभागीय जलाशयों तथा पंचायतराज संस्थाओं के अधीन जलाशयों में आधुनिक तकनीक से मछलीपालन किया जाएगा। इसके लिए युवा उद्यमियों तथा मछली पालकों को केज एक्वाकल्चर, एक्वाकोनिक्स, इंटिग्रेटेड फिश फार्मिंग तथा ईको टूरिज्म यूनिट के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इसमे बैकवर्ड तथा फार्मर लिंकेज का भी लाभ दिया जाएगा। केजकल्चर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदक जिले के सहायक संचालक मछलीपालन कार्यालय में आवेदन कर सकते है। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एमपी फिशरीज डॉट जीओभी डॉट इन वेबसाइट पर भी प्राप्त की जा सकती हैं। मछलीपालन अत्यंत लाभदायक व्यवसाय है। आधुनिक तकनीक से मछली पालन करके उद्यमी अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

कलेक्टर ने नायब तहसीलदार को दिया नोटिस

रीवा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नायब तहसीलदार डभौरा श्रीमती निवेदिता त्रिपाठी को कारण बताओ नोटिस दिया है। ग्राम कंचनपुर में 16 मई 2025 को जमीन के सीमांकन का आदेश होने के बावजूद एक वर्ष बाद भी उस जमीन का सीमांकन न कराने पर नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिन की समय सीमा में संतोषजनक उत्तर देने के निर्देश दिए गए है। समाधानकारक उत्तर प्राप्त न होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जिला जनगणना अधिकारी ने गणना कार्य का किया निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) . डिजिटल जनगणना कार्य को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में जिला जनगणना अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा ने विभिन्न गांवों का औचक निरीक्षण किया। रायपुर तहसील के चोरगड़ी और कोथ, हुजूर तहसील के इटौरा गांव का जिला जनगणना अधिकारी ने निरीक्षण किया।

डिप्टी कलेक्टर श्री सिन्हा ने जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों और प्रगणको से जानकारी ली तथा कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि डिजिटल जनगणना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए कार्य में और अधिक गति लाते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ इसे समय सीमा में पूरा किया जाए। प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग किए जाने से जिले में डिजिटल जनगणना अभियान में गति आयी है तथा अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि जनगणना कार्य बिना किसी त्रुटि के संपन्न हो सके।

मकान गणना कार्य का किया गया निरीक्षण

मऊगंज (कीर्तिप्रभा) मऊगंज जिले में जनगणना के प्रथम चरण के तहत मकान गणना का कार्य जारी है। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी पीके पाण्डेय ने हनुमना तहसील के मोरहना गांव पहुंचकर जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणजनों तथा प्रगणकों से जारी मकान गणना कार्य की जानकारी ली और प्रगणकों को निर्धारित तिथि तक मकान गणना का कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर पवन गोरैया, नायब तहसीलदार शिवम गौतम तथा बुद्धसेन माझी व सत्यसागर पाण्डेय उपस्थित थे।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए लगाये जा रहे हैं विशेष शिविर

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). मऊगंज जिले में फार्मर रजिस्ट्री सैचुरेशन की कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए 20 मई तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री से लिंक भूमि के अनुपात में ही फसलों के आधार पर उर्वरक प्रदाय किया जाना है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कहा है कि किसानों की शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री और बकेट क्लेमिंग कार्य के लिए जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर 20 मई के बीच विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित शिविर से कम से कम एक दिन पूर्व किसानों को फार्मर आईडी बनवाने, छूटे खसरों को जोड़ने और आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में उपस्थित होने के लिए मुनादी कराई जाएगी। इन शिविरों के माध्यम से किसानों की फार्मर आईडी बनाई जाएगी और उनके सभी खसरों को इस आईडी से लिंक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग, पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों द्वारा किसानों के ई-टोकन बुकिंग का कार्य भी संपन्न किया जाएगा, जबकि सहकारिता विभाग द्वारा समिति स्तर पर सदस्यों की ई-टोकन बुकिंग सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा है कि शिविर में आने वाले किसानों को अपने साथ आधार कार्ड, भूमि स्वामित्व प्रमाण (खसरा खतौनी), मोबाइल नंबर और समग्र आईडी लाना अनिवार्य होगा। यदि किसान की मृत्यु हो चुकी है, तो उस स्थिति में परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य वारिसों का सहमति पत्र प्रस्तुत करना होगा। शिविरों के सफल संचालन के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को नोडल अधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संपूर्ण कार्य की प्रगति की जिम्मेदारी संबंधित तहसीलदारों की होगी, जिनका समन्वय कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि इन शिविरों की जानकारी प्रतिदिन निर्धारित प्रपत्र में उपलब्ध कराई जाए। फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए 15 मई को नईगढ़ी तहसील के डूढा उर्फ चमड़िया, छिजरिहा, सोनवर्षा, जोरौट, टटिहरा, तेंदुआ, नईगढ़ी, खटखरी, भीर तथा हिनौती में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए शिविर लगाए जाएंगे। मऊगंज तहसील अन्तर्गत उचेहरा, खैरा, शुकुलगवां, बनपाडर, बमुरिहा, इन्द्रदत्त, बहेरी नानकार, गौरी, नौंढ़िया प्रहलाद, पनिगवां, बरहटा तथा गोदरी में शिविर लगाये जायेंगे। वहीं हनुमना तहसील में अर्जुनपुर, गौरी, सरदमन, खूटा बदौलिहान, नाउनकला, दुबगवां, नकवार, गेदुरहट, राजाधौ तथा बेलहा में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक तथा कृषि विस्तार

गौधाम तथा गौ वन्य विहार को आत्मनिर्भर गौशालाओं के रूप में विकसित करें - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक में हिनौती गौधाम तथा बसामन मामा गौ वन्य विहार के कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम तथा बसामन मामा गौ वन्य विहार निराश्रित गौवंश के आश्रय और सेवा के केन्द्र हैं। इन्हें आत्मनिर्भर गौशालाओं के रूप में विकसित करें। इन दोनों गौशालाओं में प्राकृतिक खेती के माडल भी विकसित किए जा रहे हैं। गौवंश की सेवा से ही प्राकृतिक खेती के माडल सफल होंगे। गौवंश प्राकृतिक खेती का आधार है। हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन सभी गौशाला शेडों का निर्माण तय समय सीमा में कराएं। कामधेनु शेड में एक सप्ताह में दरवाजे लगाकर उसका लोकार्पण कराएं। सुरभि शेड तथा नंदनी शेड का 10 जून तक लोकार्पण कराएं। हाल ही में निजी पूंजी निवेश से तीन गौशाला शेडों का निर्माण शुरू किया गया है। इनका निर्माण कार्य 20 अगस्त तक पूरा कराएं। गौधाम में 5 हजार पौधे रोपित करने के लिए अभी से तैयारी शुरू करा दें। इसकी बाउन्ड्रीवाल के निर्माण और चारागाह विकास पर भी विशेष ध्यान दें। गौधाम से मुख्य मार्ग तक पक्की सड़क निर्माण का कार्य स्टेट फंड से मंजूर हो गया है। इसका निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ वन्य विहार माडल गौशाला के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस गौशाला से आसपास के किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़कर नई पहचान दें। हम सबको स्वस्थ रहने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना आवश्यक है। गौ वन्य विहार में पानी की सुविधा और जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे कॉजवे तथा स्टापडैम का निर्माण शीघ्र पूरा कराएं। इसके लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तत्काल राशि जारी करें। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि हिनौती गौधाम और बसामन मामा गौवन्य विहार की व्यवस्थाओं की नियमित मानीटरिंग की जाएगी। इससे जुड़े निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण डॉ. पंचूलाल प्रजापति, वन मण्डलाधिकारी लोकेश निरापुरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल, हिनौती गौधाम के सलाहकार राजेश पाण्डेय, उप संचालक पशुपालन डॉ. व्हीव्ही सिंह, कार्यपालन यंत्री आरईएस बीडी कोरी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।